RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:28 बजे
सूर्यास्त सांय 17:43 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व न मिलना चिंता का सबब

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 007 | गाजियाबाद, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

पटना जाने वाले स्पाइसजेट विमान में तकनीकी खराबी, दिल्ली लौटा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। तकनीकी खराबी के कारण पटना जाने वाला स्पाइसजेट का एक विमान बृहस्पतिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि विमान ने सामान्य लैंडिंग की और यात्रियों को सामान्य रूप से उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। विमानन कंपनी ने कहा, '23 अक्टूबर 2025 को दिल्ली से पटना जा रही स्पाइसजेट की उड़ान एसजी 497 तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के बाद दिल्ली लौट आई... यात्रियों को ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई, जो अब पटना के लिए रवाना हो चुका है।'' उड़ान संख्या एसजी 497 का संचालन बोइंग 737 विमान से किया गया था।

छठ पूजा पर अगले पांच दिन में रेलवे चलाएगा 1500 स्पेशल ट्रेनें

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारतीय रेलवे त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम कर रहा है। छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास इंतजाम किए हैं। अगले पांच दिनों में हर दिन औसतन 300 विशेष ट्रेनें यानी कुल 1500 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिससे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में आसानी हो। भारतीय रेलवे के मुताबिक 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक यानी 61 दिनों में 12,000 से ज्यादा विशेष ट्रेनें चलेंगी। अब तक 11,865 ट्रिप्स की घोषणा हो चुकी है, जिनमें 9,338 आरक्षित और 2,203 अनारक्षित ट्रिप्स शामिल हैं। यह संख्या पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। पिछले साल 7,724 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। पिछले 21 दिनों में 4,493 ट्रिप्स यानी हर दिन औसतन 213 ट्रिप्स ने यात्रियों को दिवाली के लिए घर पहुंचने में मदद की। 19 अक्टूबर को उधना स्टेशन से 36,000 से ज्यादा यात्रियों ने सफर किया, जो पिछले साल की तुलना में 50 फीसदी ज्यादा है। रेलवे के मुताबिक पिछले पांच दिनों में उधना से ही 1.2 लाख लोग सफर कर चुके हैं। रेलवे ने भीड़ को देखते हुए विशेष होल्डिंग एरिया और अतिरिक्त टिकट काउंटर भी बनाए हैं। यात्री रेलवे की बेहतर व्यवस्था की जमकर तारीफ कर रहे हैं। जबलपुर स्टेशन पर एक यात्री ने कहा कि प्लेटफॉर्म साफ-सुथरे हैं, सुरक्षा अच्छी है और स्टेशन का रखरखाव भी अच्छा है।

ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण के लिए 15 नवंबर से लागू होंगी नई गाइडलाइन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) 2000 में संशोधन करते हुए इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड 2021 में बड़े बदलावों की घोषणा की है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी नई अधिसूचना के तहत यह संशोधन 15 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा। सरकार ने यह कदम देश की संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शालीनता से जुड़ी ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण को ज्यादा सख्त करने के उद्देश्य से उठाया है। अधिसूचना के अनुसार, आईटी रूल्स 2021 के रूल 3(1)(डी) को पूरी तरह से बदल दिया गया है।

अब किसी भी इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म (जैसे सोशल मीडिया, वेबसाइट, ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइडर आदि) पर यदि ऐसी कोई जानकारी, फोटो, वीडियो या कंटेंट मौजूद है जो किसी भी कानून के तहत निषिद्ध है।

नई गाइडलाइंस के मुताबिक, अगर किसी इंटरमीडियरी को ऐसी वास्तविक जानकारी मिलती है कि उसके प्लेटफॉर्म पर कोई गैरकानूनी या प्रतिबंधित कंटेंट है, तो उसे 36 घंटे के भीतर उसे हटाना होगा।

यह 'वास्तविक जानकारी' दो ही स्थितियों में मानी जाएगी। पहला, किसी सक्षम न्यायालय के आदेश से और दूसरा सरकार या उसकी किसी अधिकृत एजेंसी के किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जारी की गई लिखित सूचना के जरिए। यह सूचना केवल ऐसा अधिकारी दे सकेगा जो संयुक्त सचिव या उसके समकक्ष पद पर हो। अगर राज्य सरकार की ओर से जारी की जा रही है, तो वह अधिकारी डायरेक्टर या समकक्ष पद का होना चाहिए।

महागठबंधन: तेजस्वी को मुख्यमंत्री और सहनी को उप मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

महागठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से दो सप्ताह पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया।

इसके साथ ही, विकाशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया गया और यह भी कहा गया कि सरकार बनने पर समाज के अन्य वर्गों से भी उप मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, विपक्षी गठबंधन की तरफ से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि महागठबंधन के सत्ता में आने पर कुल कितने उप मुख्यमंत्री होंगे। तेजस्वी यादव का नाम घोषित करके महागठबंधन के घटक दलों ने अपने अंतर्विरोधों को समाप्त करने और एकता का संदेश देने का प्रयास किया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महागठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी के नाम की घोषणा की। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने कहा कि तेजस्वी यादव के नाम की घोषणा से जुड़ा निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सहमति से लिया गया है। पटना के एक होटल में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, "हमने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी से परामर्श के बाद, साथ ही सभी सहयोगी दलों की सहमति से तेजस्वी यादव जी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का निर्णय लिया है।"

उन्होंने यह भी कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आता है, तो मुकेश सहनी उप मुख्यमंत्री होंगे। गहलोत ने यह भी कहा कि बिहार की सामाजिक संरचना के मद्देनजर सहनी के अलावा समाज के अन्य वर्गों से भी उप मुख्यमंत्री बनाए जाएंगे, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर उसमें कितने उप मुख्यमंत्री होंगे।

समर्थकों के बीच 'सन ऑफ मल्लाह' के नाम से मशहूर सहनी निषाद जाति से आते हैं। निषाद बिहार में अति पिछड़े वर्ग की श्रेणी में आते हैं। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने यह मांग भी दोहराई कि यदि महागठबंधन सत्ता में आता है, तो किसी मुस्लिम या दलित नेता को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए।

गहलोत ने राजद नेता तेजस्वी की तारीफ करते हुए कहा, "तेजस्वी एक नौजवान हैं, जिनका लंबा भविष्य है। जनता हमेशा उन्हीं के साथ रहती है जिनमें प्रतिबद्धता और ईमानदारी होती है। पिछली बार इन्होंने जो रोजगार के वादे किए थे, उन्हें निभाने की दिशा में काम किया।" उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जी और इन्होंने (तेजस्वी) ने मिलकर जो यात्रा (वोटर अधिकार यात्रा) की थी उसका बहुत असर हुआ है।आने वाले वक्त में राहुल जी भी आएंगे और प्रियंका जी भी बिहार आएंगी।'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को यह स्पष्ट करने चुनौती दी कि मुख्यमंत्री पद के लिए उसका चेहरा कौन है?

उन्होंने दावा किया, ''महाराष्ट्र में कहा गया कि एकनाथ शिंदे के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा और बाद में किसी और को मुख्यमंत्री बना दिया, यही बात यहां (बिहार) लागू हो रही है।' मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए जाने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, ''यह हमारे लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं था, लेकिन चूंकि मीडिया में कई तरह की अटकलें चल रही थीं, इसलिए हमने इसे स्पष्ट करना जरूरी समझा।'' उन्होंने कहा, ''महागठबंधन ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, उसके लिए मैं सभी दलों का आभारी हूं। यह भरोसा बिहार की जनता का भी है।

प्रियंका ने वायनाड के स्कूल से आदिवासी छात्रों को सुरक्षित संस्थान में भेजने का आग्रह किया

✷ वेबवार्ता. वायनाड (केरल) ✷

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को केरल के मंत्री ओ.आर. केलू से आग्रह किया कि वायनाड के एक सरकारी स्कूल के आदिवासी छात्रों को जिले के भीतर ही किसी सुरक्षित संस्थान में स्थानांतरित किया जाए। उनका कहना है कि यह स्कूल आदिवासी छात्रों के लिए उपयुक्त नहीं है।

वायनाड से कांग्रेस सांसद ने राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री केलू से छात्रों को पड़ोसी जिले कन्नूर के एक स्कूल में स्थानांतरित करने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा। प्रियंका गांधी ने दावा किया कि सरकार के इस फैसले से कई छात्र स्कूल छोड़ सकते हैं क्योंकि उनके परिवारों के पास उनसे मिलने कन्नूर आने के लिए संसाधन नहीं हैं।

वह यहां थिरुनेल्ली स्थित 'गवर्नमेंट आश्रम हाई स्कूल' के छात्रों को कन्नूर जिले के अरलम स्थित 'न्यू मॉडल रेसीडेंसियल स्कूल' में स्थानांतरित करने के राज्य सरकार के फैसले का जिक्र कर रही थीं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि 'गवर्नमेंट आश्रम हाई स्कूल' के सभी छात्र पनिया और अदिया आदिवासी समुदायों से हैं जो संस्थान के छात्रावास में 'अमानवीय और खतरनाक परिस्थितियों' में रह रहे थे।

उनका कहना है, ''लड़कियों के लिए उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाएं बेहद अपर्याप्त हैं और इन्हें तत्काल उन्नत बनाने की आवश्यकता है... मेरा मानना है कि अनुसूचित जनजाति विकास विभाग अब उन्हें अरलम स्थित आवासीय विद्यालय में स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री नारायण गुरु की महासमाधि शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया

✷ वेबवार्ता. तिरुवनंतपुरम ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को केरल के वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की 'महासमाधि शताब्दी' समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि नारायण गुरु ने समानता, एकता और मानवता के प्रति प्रेम के आदर्शों में विश्वास रखने के लिए पीढ़ियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि श्री नारायण गुरु भारत के महान आध्यात्मिक नेताओं और सामाजिक सुधारकों में से एक थे। वे एक संत और दार्शनिक थे जिन्होंने हमारे देश के सामाजिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि 19वीं शताब्दी में अखिल भारतीय पुनर्जागरण के अग्रणी व्यक्तियों में से एक, श्री नारायण गुरु ने अपना जीवन लोगों को अज्ञानता और अंधविश्वास के अंधकार से मुक्त करने के लिए समर्पित कर दिया। वे समश्त अशितत्व की एकता में विश्वास करते थे। राष्ट्रपति ने आगे कहा, "वे प्रत्येक जीव में ईश्वर की दिव्य उपस्थिति देखते थे और उन्होंने 'मानव जाति के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर' का शक्तिशाली संदेश दिया।"

अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, "उनकी शिक्षाएं धर्म, जाति और पंथ की सीमाओं से परे थीं। उनका मानना था कि वाश्तविक मुक्ति ज्ञान और करुणा से आती है, अंधविश्वास से नहीं।

श्री नारायण गुरु ने हमेशा आत्म-शुद्धि, सादगी और सार्वभौमिक प्रेम पर जोर दिया। उनके द्वारा स्थापित मंदिर, विद्यालय और सामाजिक संस्थाएं उत्पीड़ित समुदायों के बीच साक्षरता, आत्मनिर्भरता और नैतिक मूल्यों के केंद्र के रूप में कार्य करती थीं।"

राष्ट्रपति ने यह भी उल्लेख किया कि मलयालम, संस्कृत और तमिल में उनके छंदों में सरलता के साथ गहन दार्शनिक अंतर्दृष्टि का मिश्रण था। उनकी रचनाएं मानव जीवन और आध्यात्मिकता की उनकी गहन समझ को दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा, "आज की दुनिया में श्री नारायण गुरु का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बंद हुए बाबा केदार व मां यमुनोत्री धाम के कपाट

✷ वेबवार्ता. देहरादून ✷

हिमालय पर्वत की श्रृंखलाओं में बसे देवभूमि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत, मां यमुनोत्री मंदिर और जनपद रुद्रप्रयाग में भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए गुरुवार को बन्द हो गए। हिन्दू पंचांग गणना के अनुरूप भैया दूज, कार्तिक शुक्ल सप्तमी, अनुराधा नक्षत्र के पावन अवसर पर, वैदिक मंत्रोच्चारण और सेना के वाद्य यंत्रों की भक्तिपूर्ण मधुर धुनों के बीच इन दोनों पवित्र धामों के कपाट बंदी की प्रक्रिया संपन्न हुई।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवसर पर यमुनोत्री धाम से सम्बद्ध पंडा पुरोहितों, के अलावा, कुल 132 भक्त कपाट बन्द होने की प्रक्रिया के साक्षी रहे। यहां इस यात्रा वर्ष में कुल 6 लाख, 44 हजार 637 श्रद्धालुओं ने माता यमुना जी के दर्शन किए हैं। जबकि भगवान श्री केदार नाथ मंदिर में आज कुल 11,415 पंजीकृत श्रद्धालु कपाट क्रिया के दौरान उपस्थित रहे। अभी तक सम्पूर्ण यात्रा काल में यहां कुल 17 लाख 68 हजार 795 पंजीकृत भक्त कपाट खुलने के बाद से दर्शन कर चुके हैं।

अब इन दोनों के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली और ओंकारेश्वर मंदिरों में हो सकेंगे। यहां भी उनके दर्शनों की मान्यता ग्रीष्मकालीन दर्शनों की भांति ही है।

यमुनोत्री धाम के कपाट आज विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य शीतकाल के लिए बन्द कर हो गये। कपाट बंदी प्रक्रिया अपराह्न 12 बजकर 30 मिनट पर सम्पूर्ण हुई। कपाट बंद होने की परंपरा के अनुसार, खरसाली गाँव से समेश्वर देवता (शनिदेव) की डोली मां यमुना को लेने धाम पहुंची। कपाट बंद होने के बाद शनिदेव की अगुवाई में मां यमुना की भोग मूर्ति और उत्सव डोली, ढोल नगाड़ों और शंखनाद के बीच शीतकालीन प्रवास खरसाली गद्दीस्थल मंदिर के लिए रवाना की गयी। इससे पहले सुबह ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदार नाथ धाम के कपाट भी प्रातः 08:30 बजे विधिवत रूप से बंद हो गए। इस अवसर पर आम पंजीकृत 11,415 श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस प्रक्रिया के साक्षी रहे। कपाट बंद होने से पूर्व मंदिर को पुष्पों से भव्य रूप में सजाया गया। सेना के बैंड की भक्ति धुनों और 'जय बाबा केदार' के जयघोष के साथ मंदिर परिसर श्रद्धाभाव से गूंज उठा।

कपाट बंद करने की प्रक्रिया के अंतर्गत, ब्रह्म मुहुर्त में मुख्य पुजारी बागेश लिंग एवं आचार्यगणों द्वारा यज्ञ, हवन एवं समाधि पूजन किया गया। तत्पश्चात भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को स्थानीय पुष्पों—कुमजा, बुकला, राख, ब्रह्म कमल, सूखे पुष्प-पत्रों से ढककर समाधि रूप दिया गया। इसके बाद गर्भगृह के द्वार 'जय बाबा केदार' के उदघोष के साथ शीतकाल को बंद किए गए।

बिरला ने की पेयजल कार्यों की समीक्षा

✷ वेबवार्ता. कोटा ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को राजस्थान में कोटा स्थित कैंप कार्यालय में संसदीय क्षेत्र में चल रही और प्रश्तावित पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में श्री बिरला ने कहा कि पेयजल उपलब्धता जनजीवन की मूलभूत आवश्यकता है और विकास का आधार भी। उनका प्रयास है कि कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र का कोई भी गांव या वार्ड जल अभाव से जूझता न रहे। बैठक में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और विधायक संदीप शर्मा भी उपस्थित रहे।

बैठक में क्षेत्र की प्रमुख पेयजल योजनाओं जैसे अमृत 2.0, ताकली बाँध परियोजना और नवनेरा वृहद पेयजल योजना की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री बिरला ने कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण निगम क्षेत्रों के लिए 395 करोड़ रुपये की लागत से प्रश्तावित अमृत 2.0 योजना के कार्यादेश शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने पर कोटा शहर के लाखों परिवारों को शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने बैठक में 111 करोड़ रुपये की लागत से प्रश्तावित ताकली बाँध परियोजना पर भी चर्चा की और इसके कार्यादेश शीघ्र जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि परियोजना के पूर्ण होने से रामगंजमंडी के शहरी क्षेत्र सहित आसपास के 185 गांवों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा, अम्बा कुई इन्टेक वेल से एकलिंगपुरा जल संशोधन संयंत्र तक पाइपलाइन बदलने के लिए 14 करोड़ 50 लाख रुपये की परियोजना पर भी चर्चा की गयी।

सेंसेक्स पहली बार 85,000 और निफ्टी-50 सूचकांक 26,000 के पार

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता जल्द होने की खबरों से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में जबरदश्त तेजी देखी गयी और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स पहली बार 85,000 तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,000 अंक के शतर को छूकर लौटा।

बाद में तेल एवं गैस, ऑटो और फार्मा सेक्टरों में गिरावट से बाजार की तेजी कम हुई। सेंसेक्स 860 अंक से अधिक की उछाल के साथ 85,290.06 अंक को छूने के बाद अंत में 130.06 अंक (0.15 प्रतिशत) की बढ़त में 84,556.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच कारोबार में 235 अंक से ज्यादा की मजबूती के साथ 26,104.20 अंक तक पहुंचने के बाद अंत में 22.80 अंक यानी 0.09 प्रतिशत ऊपर 25,891.40 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांकों के लिए ये उनके रिकॉर्ड बंद शतर हैं।

प्रमुख सूचकांकों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों पर बाद में दबाव आ गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.09 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.05 फीसदी लुढ़क गये। मीडिया में बुधवार को यह खबर आयी थी कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जल्द हो जायेगा। साथ ही, भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में आयात शुल्क की दर 50 प्रतिशत से घटाकर 15-16 प्रतिशत हो जायेगी। इससे बाजार सकारात्मक निवेश भावना के साथ खुला। आईटी सेक्टर में सबसे अधिक तेजी देखी गयी। इसके अलावा बैंकों और एफएमसीजी सेक्टरों में भी निवेशक लिवाल रहे। एनएसई में कुल 3,202 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें 1,308 के शेयर बढ़त में और 1,802 के लाल निशान में बंद हुए। वहीं, 92 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित रहे।

लंदन की शिक्षाविद् को वापस भेजना स्वतंत्र सोच के प्रति मोदी की शत्रुता का उदाहरण: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने लंदन में कार्यरत शिक्षाविद् फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीज़ा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से वापस भेजे जाने के कुछ दिनों बाद गुरुवार को आरोप लगाया कि उन्हें देश में प्रवेश से रोकना कोई आव्रजन संबंधी औपचारिकता नहीं है, बल्कि 'स्वतंत्र और गंभीर सोच वालों के प्रति मोदी सरकार की शत्रुता की मिसाल'' है।

गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हिंदी की विद्वान और 'स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज' (एसओएएस) में एमेरिट प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को बीते सोमवार को हांगकांग से यहां पहुंचते ही निर्वासित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी मार्च 2025 से 'काली सूची' में हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि दक्षिण एशियाई साहित्य की इस विद्वान को पांच साल का वैध वीज़ा होने के बावजूद भारत में प्रवेश से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''ओरसिनी को देश में आने से रोकने का फैसला आव्रजन औपचारिकता का मामला नहीं है, बल्कि स्वतंत्र, गंभीर सोच वाले विद्वानों के प्रति मोदी सरकार की शत्रुता का प्रतीक है।''

भाई का तिलक करते में बहनों के छलक आये आंसू

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कारागार में भाई बहन का पर्व भाई दूज बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के निर्देश पर कारागार में भाई बहनों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गई और इस दौरान बहनों ने कारागार में दाखिल होकर अपने-अपने भाइयों के माथे पर टीका कर, गोला हाथों में देकर, आरती की और मिष्ठान खिलाकर दुलार किया।

कुछ बहनों की आँखें अंशुओं से भर आईं और खुद को रोक न सकीं, फफक-फफक कर रो पड़ीं। भाई दूज पर बंदियों से मुलाकात के लिए बहनों की भीड़ आने की संभावना को देखते हुए अलीगढ़ जिला कारागार में इंतजाम किए गए। यह तय किया गया है कि बहनें बाहर से मिठाई लेकर नहीं जा सकेंगी। जेल के अंदर निर्मित मिठाई से ही वे अपने भाइयों का मुंह मीठा करा सकेंगी। भाई दूज के मौके पर भाइयों से बहनों की मुलाकात कराई गई। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

जेल में सुरक्षा कारणों से बाहर से मिठाई लाना प्रतिबंधित रहा। इसके लिए जेल में ही मिठाई बनवाई गई। बहनें सिर्फ तिलक के लिए रोली-चावल व अन्य पूजा सामग्री लाईं। मुलाकात सुबह आठ से शाम पांच बजे तक कराई गई। जेल के अंदर व बाहर हेल्प डेस्क बनाई गई। एक मेडिकल हेल्प डेस्क भी बनी। एक एनजीओ के माध्यम से जलपान की व्यवस्था की गई। इस दौरान कारागार के जेलर कमलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर भाई दूज के मौके पर बेहतर व्यवस्थाएं की गई है ताकि किसी प्रकार की असुविधा हो। वहीं कारागार में आईं बहिनों ने अपने भाइयों के माथे पर टिका किया और कारागार प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की।

चोरी की बाइकों साथ दो चोर पकड़े

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गोरई पुलिस द्वारा दो शातिर चोर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की पाँच मोटरसाइकिल बरामद करने के सफलता हासिल की है।

गोरई पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान मुखविर की सूचना पर वीरी सिंह उर्फ भूरा पुत्र ज्ञान सिंह निवासी नगला सीताराम थाना इगलास,रनवीर पुत्र कालीचरन निवासी टीकापुर थाना इगलास को मय चोरी की मोटर साईकिल सहित रघुवीर एन्क्लेव कालोनी मथुरा रोड कस्बा बेसवां से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान चोरों की निशांदेही पर अलग-अलग पांच मोटरसाइकिल बरामद की है।

योगी राज में बेलगाम थाना क्वार्सी पुलिस, लगातार पत्रकार का कर रही उत्पीड़न

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश के योगी राज में जिला अलीगढ़ में पत्रकारों पर पुलिसिया उत्पीड़न थमने का नाम नहीं ले रहा है। पुलि कितनी बेलगाम हो गई है इसका वीड़यो सोशल मीड़यि पर तेजी से वायरल हा रहा है। आलम यह है कि कहीं फर्जी मुकदमे दर्ज हो रहे हैं, तो कहीं उनके मोबाइल और कैमरे को छीना और पटका जा रहा है।

हद की बात तो यह है कि कुछ स्थानों पर बिना किसी जांच पड़ताल के मुकदमे भी दर्ज कर लिए जा रहे हैं। इससे भी बड़ा घोर आश्चर्य का विषय यह है कि गुहार लगाए जाने के बाद न्याय की बात तो दूर है उनकी सुनवाई तक नहीं हो पा रही है।

यूं कहें कि देश का 'चौथा श्तंभ' कहे जाने वाले मीडिया की आवाज को कुचलने का कुचक्र थमने का नाम नहीं ले रहा है।

थान क्वार्सी क्षेत्र की नगला पटवारी पुलिस चौकी प्रभारी का गांव रामनगर से एक वीड़यो सोशल मीड़यि पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें समाचार पत्र के फोटोजर्नलिस्ट रॉकी आलोक के वृद्ध पिता पर खुली गुण्ड़ई करते हुये दबंगई और वर्दी का रौब झाड़ते हुये साथ किया गाली-गलौज कर रहा है। जिले के पत्रकारों ने एसएसपी नीरज जादौन से उक्त दारोगा के खिलाफ कार्यवाही की मांग करते हुये उसे तत्कालल प्रभाव से बर्खाशत करने की मांग की है। नंगला पटवारी चौकी इंचार्ज योगेन्द्र सिंह वर्दी का रौब दिखाते है और गाली गलौज कर बैठते हैं।

अपराधियों को तो पकड़ नहीं पाते लेकिन आम लोग अगर अपने काम पर जा रहे है तो उन्हें रोक कर वर्दी की रौब दिखाते है और अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। जी हां पटवारी नागला चौकी इंचार्ज की दबंगई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें

फोटो जर्नलिस्ट के घर जाकर उसके वृद्ध पिता को धमकाते हुये दारोगा योगेन्द्र सिंह कह रहा है कि चौकी इंचार्ज योगेंद्र सिंह ने पत्रकार के पिता से कहा कि फोटो जर्नलिस्ट को इतना बड़ा गुंडा ना बनाओ खाल खींच लूंगा साले की। पटवारी नगला चौकी इंचार्ज ने फोटो जर्नलिस्ट को चार-चार इंच नीचे से छोटा करने धमकी दी जा रही है।

नगला पटवारी चौकी क्षेत्र में आए दिन हो रही घटनाओं को प्रकाशित और प्रसारित करने से बौखलाकर फोटो जर्नलिस्ट को धमकी दे रहा है। चौकी इंचार्ज योगेंद्र सिंह ने कहा कितना बड़ा पत्रकार है उसे बुला लो जीवन बर्बाद कर दूंगा।

सिद्धारमैया के बेटे ने बताया- पिता का राजनीतिक करियर आखिरी दौर में है

पिता की जगह डीके शिवकुमार नहीं हैं बल्कि सतीश जरकिहोली लेंगे

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए रस्साकशी चलती ही रही है। कांग्रेस सरकार का नेतृत्व फिलहाल सिद्धारमैया कर रहे हैं, लेकिन डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थक भी मांग करते रहे हैं कि उनके नेता को अब मौका मिलना चाहिए। इसके लिए सिद्धारमैया की बढ़ती उम्र और शिवकुमार की लोकप्रियता का हवाला दिया जाता है। इस बीच बुधवार को अहम घटनाक्रम हुआ। सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने सार्वजनिक ऐलान किया कि उनके पिता का राजनीतिक करियर अब आखिरी दौर में है और उन्हें अब किसी अन्य नेता का मार्गदर्शक बनना चाहिए। लेकिन यतींद्र ने जिस अन्य नेता की बात कही, वह डीके शिवकुमार नहीं हैं बल्कि सतीश जरकिहोली हैं।

साफ है कि सिद्धारमैया खेमा उनके बाद भी डीके शिवकुमार के हाथ में सीएम का पद नहीं देखना चाहता। इससे यह भी स्पष्ट है कि भविष्य में भी कांग्रेस सीएम पद को लेकर रस्साकशी होगी और डीके शिवकुमार को आसानी से इसमें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। बेलगावी में एक कार्यक्रम के दौरान यतींद्र ने कहा, सिद्धारमैया का राजनीतिक करियर अब आखिरी दौर में है। ऐसे समय में उन्हें किसी अन्य नेता का मार्गदर्शक बनना चाहिए। राज्य को इससे गति मिलेगी और कांग्रेस की विचारधारा भी बढ़ेगी। उन्होंने इसके साथ ही सतीश जरकिहोली को अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में भी प्रोजेक्ट कर दिया। ऐसा करना सीधे तौर पर डीके शिवकुमार गुट की चिंताएं बढ़ाना है।

यतींद्र ने कहा कि मुझे भरोसा है कि सतीश जरकिहोली जिम्मेदारी अच्छे से संभालेंगे। वह युवा नेताओं के लिए एक रोल मॉडल बनेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता मिलना मुश्किल होता है, जो सिद्धांतों के प्रति समर्पित होते हैं। सतीश जरकिहोली ऐसे ही हैं। वह अपना काम जिम्मेदारी से करते हैं और उन्हें यह जारी रखना चाहिए। उनके इस बयान से ऐसा लगता है कि शायद डीके शिवकुमार के लिए एक नया चैलेंजर उतारने की रणनीति के तहत सिद्धारमैया खेमा ऐसा कर रहा है। जरकिहोली के खिलाफ शिवकुमार खेमा ज्यादा बोलने से भी बचेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि जरकिहोली दलित समाज से आते हैं। वह सिद्धारमैया के कट्टर समर्थकों में से एक हैं, लेकिन शिवकुमार के खिलाफ ही रहे हैं। सतीश जरकिहोली कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग मंत्री हैं। विधानसभा में येमकनमर्दी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। 63 साल के जारकीहोली सिद्धारमैया के वफादार और शिवकुमार के कट्टर विरोधी माने जाते हैं। स्वयं एक अनुसूचित जाति के नेता होने के साथ-साथ वह अहिंदा समूह के भी एक प्रमुख सदस्य हैं। अहिंदा में अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति को शामिल किया जाता है। सीएम सिद्धारमैया का उनको लंबे समय से आशीर्वाद प्राप्त है। वह रमेश जारकीहोली के भाई हैं, जो पूर्व में कांग्रेसी थे। रमेश ने 2018 में कर्नाटक में भाजपा की जीत के बाद कई विधायकों के साथ पार्टी बदल ली थी। रमेश भाजपा विधायक हैं। मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी माने जाने वाले लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली वाल्मीकि समुदाय से आते हैं और अनुसूचित जाति के प्रबल नेता रहे हैं।

अयोध्या राम मंदिर में रामलला के दर्शन को अब रात साढ़े आठ तक ही प्रवेश

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में रामलला के दर्शन अवधि में शरद ऋतु के कारण मामूली बदलाव कर दिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के द्वारा जारी निर्देश के अनुसार रामलला के दर्शन अवधि में आधे-आधे घंटे की कटौती कर दी गयी है। इसके कारण जन्मभूमि पथ (डी-वन) से आम श्रद्धालुओं का प्रवेश रात्रि नौ बजे के बजाय साढ़े आठ बजे तक हो सकेगा। आम श्रद्धालुओं के दर्शन अवधि में आधे की कटौती की वजह यह है कि शयन आरती जो रात दस बजे की जाती थी, वह साढ़े नौ बजे ही होगी।

तीर्थ क्षेत्र द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक दर्शन अवधि में परिवर्तन की व्यवस्था गुरुवार से लागू हो गई। इसके अलावा सुबह की पाली में भगवान की मंगला आरती भोर में चार बजे के बजाय साढ़े चार बजे की जाएगी। इसके बाद पट बंद हो जाएगा। पुनः भगवान की श्रृंगार आरती सुबह छह बजे के स्थान पर साढ़े छह बजे होगी लेकिन आम श्रद्धालुओं को सुबह की पाली में दर्शन पहले की तरह सुबह सात बजे से ही सुलभ हो जाएगा। तीर्थ क्षेत्र की ओर से निर्गत किए सर्कुलर के अनुसार मध्याह्न 12 बजे भगवान की राजभोग आरती होगी और फिर अपराह्न साढ़े 12 बजे से एक बजे तक मंदिर का पट बंद रहेगा। अपराह्न एक बजे मंदिर का पट दोबारा खोला जाएगा और उसी के साथ दर्शन भी शुरू हो जाएगा। दूरदर्शन में श्रृंगार आरती के प्रसारण का भी समय बदल जाएगाः श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से प्रसार भारती के हुए अनुबंध के अनुसार दूरदर्शन पर रामलला के श्रृंगार आरती का लाइव प्रसारण सुबह छह बजे से 6.20 बजे तक चल रहा था।

विदेशी कंपनी की दस्तक ! इस कंपनी ने लॉन्च किए ?25 करोड़ तक के अल्ट्रा लग्जरी फ्लैट

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के रियल एस्टेट सेक्टर में पहली बार विदेशी कंपनी ने दस्तक दी है। अमेरिका की लग्जरी वॉच बनाने वाली और कई देशों में रियल स्टेट सेक्टर में सक्रिय जैकब एंड कंपनी ने एम3एम के साथ नोएडा में पहले प्रोजेक्ट की घोषणा की। इस प्रोजेक्ट का निर्माण सेक्टर 97 में होगा। यहां पर दो चरणों में 250 फ्लैट बनाए जाएंगे। इनकी कीमत 14 करोड़ से 25 करोड़ रखी गई है। जिले में ग्रुप हाउसिंग की शुरुआत वर्ष 2009-10 से हुई थी। 15 साल के सफर में ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट नए शिखर पर पहुंच गए हैं। नोएडा में अल्ट्रा लग्जरी प्रीमियम रेंज के महंगे फ्लैटों की भी शुरुआत हो चुकी है। नोएडा में अमेरिका की जैकब एंड कंपनी ने सबसे महंगे फ्लैटों का प्रोजेक्ट लांच कर दी है। इस प्रोजेक्ट का निर्माण अमेरिका और भारतीय कंपनी एम3एम मिलकर करेगी। यह भारत में जैकब एन्ड कंपनी का पहला आवासीय प्रोजेक्ट है। जिसके लिए कंपनी के संस्थापक और चेयरमैन जैकब अराबो भी नोएडा आ चुके हैं। एम3एम इंडिया के प्रमोटर पंकज बंसल ने बताया कि यह ब्रांडेड लग्जरी आवासों की नई शुरुआत है। इसका निर्माण छह एकड़ में किया जाएगा। 21 सौ करोड़ से अधिक का निवेश होगा। इससे 35 सौ करोड़ से अधिक की आय का अनुमान है। यहां पर तीन, चार और पांच बीएचके के प्रीमियम लग्जरी अपार्टमेंट बनेंगे। इनकी कीमत 14 करोड़ से 25 करोड़ तक होगी। यहां पर 35 हजार रुपये प्रति वर्ग फुट की कीमत पर बुकिंग शुरू की गई है। योजना के लांच होने के साथ ही बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। इसमें एक ही व्यक्ति ने तो परिवार के लिए तीन अपार्टमेंट बुक किए हैं। कंपनी के अनुसार यह प्रोजेक्ट तीन सालों में दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 150 और दूसरे चरण में 100 घर बनाए जाएंगे। इन घरों के इंटीरियर में कंपनी की खास डिजाइन दिखाई देगी। यहां पर विशेष झूमर और लाइटिंग और अन्य सजावट होगी। जैसा उनकी दुबई/रास अल खैमाह की लग्जरी परियोजनाओं में है। यह कंपनी प्रोजेक्ट में प्रत्येक घर के मालिक को एक लिमिटेड-एडिशन घड़ी भी देगी।

हिमंत सरमा लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाएंगे, बहुविवाह पर भी लगाम लगाने की तैयारी

गुवाहटी, एजेंसी। असम की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार आगामी विधानसभा सत्र में लव जिहाद और बहुविवाह को लेकर कानून बनाने की तैयारी कर रही है। हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार अगले सत्र में इन दोनों पर विधेयक पेश करने जा रही है। सीएम ने बुधवार को बताया, अगला विधानसभा सत्र ऐतिहासिक होगा क्योंकि कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। बहुविवाह और लव जिहाद पर प्रतिबंध के साथ-साथ हमारे सत्रों का संरक्षण, चाय बागानों के श्रमिकों को भूमि अधिकार देने सहित अन्य विधेयक शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा, अगले विधानसभा सत्र में हम लव जिहाद, बहुविवाह और सत्र संरक्षण के खिलाफ कई नए विधेयक लाएंगे। चाय बागानों के श्रमिकों के भूमि अधिकारों पर चर्चा के साथ ही और भी कई विधेयक पेश किए जाएंगे।

असम कैबिनेट ने पहले ही असम सत्र संरक्षण और विकास बोर्ड विधेयक, 2025 को मंजूरी दी है। यह एक निकाय होगा, जिसका उद्देश्य सत्रों और उनके भूमि-संपत्ति का संरक्षण, प्रबंधन, रखरखाव और सतत विकास सुनिश्चित करना है। असम के सत्र वैष्णव मठ हैं, जो धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इनकी स्थापना 16वीं सदी में हुई थी।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया, इस विधेयक के तहत एक आयोग स्थापित किया जाएगा, जो सत्र भूमि को अतिक्रमण और विवादों से बचाएगा, पारदर्शी शासन के माध्यम से और विरासत पर्यटन व सत्र कला के माध्यम से सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

विधेयक के अनुसार आयोग के तहत सत्रों की सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल संग्रह के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा, जिसमें भूमि, कलाकृतियां और पांडुलिपियों का विवरण होगा, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच और संरक्षण सुनिश्चित होगा। आयोग का अध्यक्ष हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त न्यायाधीश होंगे। सदस्य सचिव भूमि अधिग्रहण और सुधार निदेशक, असम होंगे। इसके अलावा, दो सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामांकित सत्र संस्थानों के प्रतिनिधि होंगे और एक सदस्य भूमि प्रशासन में अनुभवी सेवानिवृत्त सिविल सेवा अधिकारी (सचिव स्तर या उससे ऊपर) होगा।

दिवाली पर सोन पापड़ी मिले तो भड़क गए एम्प्लॉई, फैक्ट्री की गेट पर लगा दी पैकेट की ढेरी

सोनीपत , एजेंसी। दिवाली के मौके पर मिलने वाले बोनस का इंतजार कर्मचारी पूरे साल करते हैं। ऐसे में जब हाल ही में जब एक कंपनी के कर्मचारियों को मन माफिक बोनस नहीं मिला, तो उन्होंने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जहां कंपनी की ओर से दिवाली के मौके पर सोन पापड़ी मिलने पर कर्मचारी बुरी तरह भड़क गए। कर्मचारियों ने विरोध जताने के लिए सोन पापड़ी के सारे डब्बे के फैक्ट्री के गेट पर फेंक डाले।

कथित तौर पर यह वीडियो हरियाणा के सोनीपत की एक फैक्ट्री का है। वायरल क्लिप में कई कर्मचारियों को फैक्ट्री के गेट के बाहर सोन पापड़ी के डिब्बे फेंकते हुए देखा जा सकता है। लाइव हिन्दुस्तान वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। इस क्लिप में एक स्थानीय समाचार चैनल पर प्रसारित की जा रही एक रिपोर्ट में एंकर ने बताया कि वर्कर्स को दिवाली पर बोनस देने का वादा किया गया था। हालांकि दिवाली से कुछ दिन पहले, उन्हें नकद बोनस या गिफ्ट वाउचर की जगह उन्हें सोन पापड़ी के डिब्बे थमा दिए गए, जिससे कर्मचारियों का गुस्सा फुट पड़ा। वायरल वीडियो को सोशल मीडिया पर 6 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोगों की मजेदार प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। जहां कुछ लोगों ने कर्मचारियों के प्रति सहानुभूति जताई है, वहीं कुछ लोग खाने की बर्बादी और अपमान के के लिए उनकी आलोचना भी कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, एक ही दिन होता है जब कर्मचारी उपहार का इंतजार करते हैं। ऐसी चिंदीचोरी नहीं करनी चाहिए। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, शर्म आनी चाहिए ऐसे मालिकों को क्योंकि वर्कर पूरे साल जीते तोड़ मेहनत करके काम करके देता है और दिवाली पर उम्मीद करता है एक अच्छी सी गिफ्ट जरूर देगा। कुछ लोग तो बोनस देने के लिए कानून बनाने की मांग भी करने लगे। हालांकि कुछ लोगों ने कर्मचारियों के बर्ताव का कड़ा विरोध किया। एक यूजर ने लिखा, दुखद! ऐसा रवैया नहीं होना चाहिए। यह सिर्फ एक दिखावा है, दिवाली पर कुछ पाने का हक नहीं। जो भी उपहार मिले उसे विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए। अगर बोनस देना हो तो उस पर औपचारिक रूप से चर्चा की जा सकती है। एक अन्य यूजर ने लिखा, काम करने के बदले वेतन दिया जाता है।

नियमों का उल्लंघन किया तो होगी सख्त कार्रवाई :, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे शहर में स्थित ऐतिहासिक शनिवारवाड़ा किला इन दिनों विवादों के केंद्र में है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस विवाद पर बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और किसी भी नियम या कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. विवाद की शुरुआत तब हुई जब तीन महिलाओं ने पुणे के शनिवारवाड़ा परिसर में नमाज़ अदा की. इस घटना के बाद भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने आपत्ति जताई और अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्थल पर जाकर शुद्धिकरण के नाम पर गौमूत्र का छिड़काव किया. उनके इस कदम ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तीखी बहस छेड़ दी. मेधा कुलकर्णी ने अपने बचाव में कहा कि शनिवारवाड़ा धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि ऐतिहासिक धरोहर है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. उन्होंने मांग की कि नमाज़ अदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. हालांकि कुलकर्णी के इस कदम को भाजपा के कुछ नेताओं का समर्थन मिला, लेकिन शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस पर नाराजगी जताई. शिवसेना की नेता नीलम गोरहे ने कहा कि

शनिवारवाड़ा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ह्रुद्ब) के संरक्षण में आने वाला स्थल है और वहां किसी भी प्रकार की धार्मिक या राजनीतिक गतिविधि कानून के खिलाफ है. वहीं, एनसीपी की रुपाली पाटिल थोम्बरे ने मेधा कुलकर्णी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की. इस विवाद के बाद एएसआई ने घटनास्थल पर हुए नियम उल्लंघन की जांच के लिए मामला दर्ज किया है. पुणे पुलिस ने भी कहा है कि वह एएसआई से सलाह लेकर आगे की कार्रवाई करेगी. पुणे के डीसीपी कृशिकेश रावले ने बताया कि प्रशासन मामले को गंभीरता से देख रहा है। और कानून के दायरे में रहते हुए उचित कार्रवाई की जाएगी. शनिवारवाड़ा का निर्माण 1736 में पेशवाओं द्वारा कराया गया था.

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो स्टेशन के परिसर में लीज पर दुकानें ले सकेंगे

गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण होने के बाद मेट्रो स्टेशन परिसर में दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इन दुकानों को संचालन के लिए लीज पर दिया जाएगा। इससे होने वाली आय को मेट्रो संचालन में खर्च किया जाएगा।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) की अध्यक्षा डी.तारा ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट पर प्रस्तावित 29 मेट्रो स्टेशन के आसपास या बिल्कुल साथ लगती सरकारी जमीन को उपलब्ध करवाने के लिए मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो को जीएमआरएल की तरफ से तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए अभी तक जीएमआरएल को भूमि आवंटित नहीं की गई है।

इससे मेट्रो निर्माण और संचालन का बजट एकत्रित करने में दिक्कत आ रही है। डी.तारा ने पत्र में आग्रह किया कि परियोजना की व्यवहार्यता के लिए उपयुक्त भूमि आवंटित की जाए। इसका उपयोग संपत्ति विकास और वाणिज्यिक उपयोग के लिए किया जाएगा। इससे राजस्व सृजन में मदद मिलेगी। मेट्रो रूट के आसपास क्षेत्रों में शहरी नवीनीकरण और आर्थिक

गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पत्र में यह भी कहा कि हरियाणा सरकार को मेट्रो रूट पर ट्रांजिट ओरियंटिड डिवेलपमेंट (टीओडी) का लाभ लिया जाए।

इससे जीएमआरएल की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने में भूमिका निभाएगा। मेट्रो रूट के 800 मीटर में मकानों या फ्लैट के निर्माण के लिए अतिरिक्त एफएआर दी जाती है, जिससे कि लोगों को बेहतर परिवहन सेवा मिल सके। इससे पहले जीएमआरएल ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) से मेट्रो स्टेशन के आसपास जमीन उपलब्ध करवाने के लिए पत्र लिखा था।

मेट्रो रूट में आ रहे पेड़ों की कटाई तेजी से की जा रही है। मौजूदा समय में नेताजी सुभाष चंद्र मार्ग पर पेड़ों की कटाई चल रही है। इन पेड़ों के बदले में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे पर पौधे लगाए जाने हैं। इसके तहत टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है।

मेट्रो का निर्माण कर रही कंपनी ने जीएमआरएल को सूचित किया है कि 30 नवंबर तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस मार्ग पर बेरीकेडिंग कर दी जाएगी। उन्हें बताया गया कि बेरीकेड का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अगले महीने में पहले या दूसरे सप्ताह तक करीब तीन हजार बेरीकेड पहुंच जाएंगे। इसके बाद यह कार्य पूरा कर दिया जाएगा।

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में भीषण आग; चपेट में आए 8 फ्लैट

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के शक्ति खंड-2 में बुधवार रात को एक अपार्टमेंट की बाकलनी में अचानक आग लग गई। यह आग देखते ही देखते एक साथ 8 फ्लैट इसकी चपेट में आ गए। आग की लपटें देख फ्लैटों में रहने वाले लोगों में भगदड़ मच गई और लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। गनीमत यह रही कि किसी भी फ्लैट के अंदर तक आग नहीं पहुंची। दमकल विभाग की 8 गाड़ियों की मदद से 45 मिनट में आग पर काबू पाया।

बताया जाता है कि शक्ति खंड-2 में कैलाश भवन के पास एकल भूखंड पर दिव्या अपार्टमेंट के नाम से चार मंजिला इमारत में 20 फ्लैट हैं। इन फ्लैट में परिवार रहते हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल सिंह ने बताया कि बुधवार रात साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि अपार्टमेंट की बालकनी में आग लगी है। इसके बाद दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसके साथ ही वैशाली से भी तीन गाड़ियां भी बुलाई गईं। मौके पर टीम पहुंची तो देखा कि चार मंजिला इमारत के अगल-बगल के ब्लॉक में बने आठ फ्लैटों की बालकनी में आग लगी थी। आग काफी तेजी से फैल रही थी।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर 10.5 लाख ठगे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

साइबर अपराधियों ने घर बैठे मोटी कमाई का लालच देकर वसुंधरा निवासी व्यक्ति से साढ़े दस लाख रुपए ठग लिए। जालसाजों ने शुरुआत में कमीशन देकर पीड़ित को जाल में फंसाया और फिर मोटी रकम ट्रांसफर करा ली। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वसुंधरा सेक्टर 4-बी स्थित अजनारा प्राइड सोसाइटी में रहने वाले पंकज का कहना है कि बीते 15 अक्तूबर को उनके व्हाट्सऐप पर एक अज्ञात व्यक्ति ने संदेश भेजा। उसने खुद को ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म से जुड़ा बताते हुए उन्हें घर बैठे ऑनलाइन टास्क पूरा करके डबल मुनाफा कमाने का लालच दिया।

पंकज के मुताबिक आरोपी ने एक टेलीग्राम लिंक के जरिए उन्हें स्नेहा मेहता नाम के अकाउंट से जोड़ा और ऑनलाइन दिए कार्य को पूरा करके रकम कमाने के लिए प्रेरित किया।

पीड़ित का कहना है कि शुरुआत में ऑनलाइन कार्य करने पर उन्हें कमीशन दिया गया जिससे उन्हें जालसाजों पर भरोसा हो गया। इसके बाद स्नेहा ने अरमान शर्मा नाम के व्यक्ति से उनका परिचय कराया। अरमान ने खुद को प्रशिक्षक बताया और मोटा मुनाफा कमाने के लिए एक वेबसाइट के जरिए निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

पंकज के मुताबिक उन्होंने कई खातों में ऑनलाइन रकम भेजी। आरोप है कि जालसाजों ने पिछली ट्रांजेक्शन में त्रुटि होने का हवाला देते हुए उसे ठीक करने के नाम पर अतिरिक्त रकम वसूली। इस तरह धीरे-धीरे करके उनसे 10.60 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। रकम वापस मांगने पर जालसाजों ने संपर्क तोड़ा पंकज का कहना है कि साइबर अपराधी खुद को को-इंडेक्स कॉम नाम की कंपनी से जुड़ा होने का दावा कर रहे थे। जाल में फंसाने के लिए उन्होंने शुरुआत में रकम निकासी की अनुमति भी दी, लेकिन मोटी रकम ट्रांसफर कराने के बाद रकम वापसी में तमाम अड़चनें बतानी शुरू कर दीं।

वह जब भी अपनी रकम मांगते तो, जालसाज उन पर और धनराशि भेजने का दबाव डालते। इनकार करने पर ठगों ने उनसे संपर्क तोड़ दिया, जिसके बाद पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दी। एसीपी क्राइम भास्कर वर्मा का कहना है कि 22 अक्तूबर को केस दर्ज कर जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, पति पर प्रताड़ित करने का आरोप

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

जेवर के कानीगढ़ी गांव में महिला का शव फंदे से लटका मिला है।

उसके पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बुलंदशहर के सलेमपुर निवासी राजवीर सिंह ने बताया कि 2017 में उनकी बेटी रूबी की शादी कानीगढ़ी गांव में कृष्ण से हुई थी।

21 अक्तूबर को बेटी ने मां को फोन कर बताया था कि कृष्ण ने उनके साथ मारपीट की है। तब वह काफी परेशान थी। अगले दिन 22 अक्तूबर को उसके ससुरालवालों का फोन आया कि आपकी बेटी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। उसे कैलाश अस्पताल जेवर में भर्ती कराया गया लेकिन जान नहीं बच सकी।

राजवीर ने बताया कि आरोपी कृष्ण उनकी बेटी को प्रताड़ति करता था। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

स्पेन की यूनिवर्सिटी में दाखिले के नाम पर छात्रा से ठगे 17 लाख

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले के साहिबाबाद इलाके में स्थित कौशांबी थाना क्षेत्र में ऑफिस चलाने वाले आरोपितों ने गौतमबुद्धनगर की एक छात्रा का स्पेन की एक यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस में एडमिशन कराने के नाम पर 17.50 लाख रुपये ठग लिए।

आरोपितों ने वीजा देकर छात्रा को स्पेन बुला लिया और यहां एडमिशन नहीं कराया। काफी समय तक पीड़िता दोश्तों व घर वालों के खर्च पर स्पेन में रही और वीजा समाप्त होने के बाद वापस भारत आई।

वापस आने के बाद पीड़िता की मां ने कौशांबी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपित पूर्व में भी इस प्रकार से कई लोगों से ठगी कर चुके हैं।

मुंबई व गाजियाबाद पुलिस गिरोह के कई लोगों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। नई एफआइआर दर्ज कर पुलिस ने दोबारा से जांच शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर एक डिवाइजन ग्रेस सोसायटी निवासी संगीता पोद्दार का कहना है कि 2023 में उन्हें अपनी बेटी का एमबीबीएस में एडमिशन कराना था।

इसी दौरान उनका संपर्क कौशांबी के एंजेल माल में आफिस चलाने वाले अर्चना गौतम, विवेक कुमार डायरेक्टर, राहुल गौतम, हिमांशी, शिशुपाल, पुष्पक, कार्तिक, ओमकार और डा. सस्मिता नंदा से हुआ।

एडमिशन के नाम पर उन्होंने 17.50 लाख रुपये मांगे। इस रकम में से आधी पोलैंड के एक खाते में जमा कराए और बाकी एक अर्चना गौतम के भारतीय खाते में जमा कराई।

आरोपियों ने स्पेन के बार्सिलोना यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस में एडमिशन कराने, वीजा और रहन सहन का प्रबंध करने की जिम्मेदारी ली। वीजा मिलने पर उनकी बेटी 17 मार्च 2024 को बार्सिलोना पहुंच गई।

संगीता का कहना है कि वहां पर टीम की हेड डा. सुस्मिता नंदा ने उनकी बेटी को एक बंकरनुमा डोरमेट्री में रखा, जिसकी स्थिति बहुत ही खराब थी। इसके बाद उनकी बेटी ने अपने दोश्तों की मदद से आवास, किराया और खर्च का प्रबंध खुद किया। जिसमें आठ लाख रुपये खर्च हुए। पीड़िता का कहना है कि उनके कुल 28 लाख रुपये खर्च हुए। बेटी को एमबीबीएस में एडमिशन नहीं मिला।

इस दौरान उनकी बेटा का वीजा भी समाप्त हो गया और उसे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उनकी बेटी काफी समय तक स्पेन में ही फंसी रही। इस दौरान उन्होंने और दोश्तों ने बेटी का खर्च उठाया।

किसी तरह से उनकी बेटी वापस लौटी। तब उन्होंने कौशांबी स्थित ऑफिस में संपर्क किया तो पता चला कि आरोपित कार्यालय बंद कर भाग चुके हैं।

लोनी : गोलीकांड का खुलासा 3 गिरफ्तार, हथियार बरामद

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली सीमा के नजदीक थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने हत्या के एक गंभीर प्रकरण का सफल अनावरण करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, तीन जिन्दा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और स्कूटी भी पुलिस ने जब्त कर ली है।

घटना की शुरूआत 21 अक्टूबर 2025 को हुई, जब माही वाटिका, टीला शाहबाजपुर निवासी बादल कुमार ने अपनी तहरीर में बताया कि उनके पुत्र आशू (22 वर्ष) को अज्ञात व्यक्ति ने गोली मारकर घायल कर दिया। तत्काल थाना लोनी बॉर्डर में धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

विवेचना में जुटी पुलिस ने घटनास्थल और साक्ष्यों के आधार पर 04 आरोपियों की पहचान की। आरोपियों में प्रशान्त शर्मा उर्फ शाहरूख कालिया (24 वर्ष, आगरा रोड, एटा), विकास उर्फ चाबी, हीरा अली (21 वर्ष, पाईपलाइन चौक, गाजियाबाद) और सचिन ठाकुर उर्फ डमरू (19 वर्ष, माही वाटिका, गाजियाबाद) शामिल थे। 23 अक्टूबर को पुलिस ने प्रशान्त शर्मा, हीरा अली और सचिन ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी प्रशान्त शर्मा ने बताया कि दीपावली की रात 20 अक्टूबर को वे अपने साथियों हीरा, डमरू और चाबी के साथ खुशी वाटिका में पटाखे चलाने गए थे। वहां कुछ लोग ताश खेल रहे थे। आशू ने उन्हें बाहर का बताया और विरोध किया।

प्रशान्त के अनुसार, विरोध पर गुस्से में चाबी, हीरा और डमरू ने उन्हें तमंचा निकालने को कहा। परिणामस्वरूप प्रशान्त ने आवेश में आकर आशू को पेट में गोली मार दी।

गोली लगते ही आशू मौके पर गिर पड़ा और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

बोनस के पैसे से खेल रहे थे जुआ, चार गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

दिवाली पर ऑफिस से मिले बोनस की रकम से जुआ खेलते चार दोश्तों को

पुलिस ने गिरफतार किया है। नोएडा के ए डी सी पी सुमित शुक्ला का कहना है कि जलवायु विहार के पीछे सेक्टर 47 में कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस की टीम गश्त कर रही थी।

उसी दौरान सिद्धार्थनगर के जयपुर गांव निवासी राकेश, नोएडा सेक्टर-37 की हरिजन बश्ती के दशरथ साहू, बरौला गांव के पंकज यादव व बागपत के मुकिमपुरा गांव के अंकित भाटी को गिरफ्तार किया गया।

वर्तमान में अंकित और राकेश अगाहपुर गांव में किराये पर रहते हैं। आरोपियों से छह हजार रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि अंकित को दिवाली पर बोनस के रूप में 3500 रुपये मिले थे। इनसे जुआ खेल रहा था। सभी लोग जुआ खेलकर घर जा रहे थे लेकिन उससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया।

दिवाली के दिन खाते में लगाई सेंध, व्यापारी के खाते से निकाले 5 लाख

✷एनसीआर टुडे. गौतमबुद्ध नगर ✷

रबूपुरा के मोहल्ला मिर्धान निवासी व्यापारी जितेंद्र शर्मा के बैंक खाते से पांच लाख रुपये निकल गए हैं। यह रकम नेट बैंकिंग के जरिये दिवाली के दिन ट्रांसफर की गई है।

पीड़ित को इसकी जानकारी तब हुई जब उन्होंने ग्राहक पैसे देने के लिए बैलेंस चेक किया। उन्होंने रबूपुरा थाने और साइबर क्राइम पुलिस से ऑनलाइन शिकायत की है। साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जितेंद्र रबूपुरा में दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर को बैंक खाते में 6,8,016 रुपये थे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते है।

निविदा संख्या	315240
कार्य का नाम और कार्य स्थान	
"एक वर्ष के लिए एलएचबी कोचों के 400 बायो डाइजेस्टर टैंकों को सामग्री सहित हटाना, साफ करना, मरम्मत करना और पुनः लगाना"	
अनुमानित लागत	रुपये 43,38,311.00 /– जीएसटी सहित
बयाना राशि	रुपये 86800.00 /–
निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	स्वीकृति पत्र जारी होने की तारीख से 12 महीने
निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि व समय	दिनांक 13.11.2025 15:00 बजे।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in

यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।

पत्र सं.315240 दिनांक : 23.10.2025 3290/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 24.10.2025 से 26.10.2025 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
दिनांक 24.10.2025 (शुक्रवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ जं., गोंडा जं. एवं बस्ती
04070	आनन्द विहार (ट.)	00:20	राजगीर	19:50	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेंद्र नगर, बख्तियारपुर जं., बिहार शरीफ और नालंदा
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04410	शकूरबस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	18:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., सीतामढ़ी एवं शिशो
04058	नई दिल्ली	13:30	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	14:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर., सीवान जं., छपरा, सोनपुर और हाजीपुर जं.
04236	शकूरबस्ती	09:45	लखनऊ	20:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 2 टियर सह 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली सफदरजंग, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली एवं शाहजहांपुर
दिनांक 25.10.2025 (शनिवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04410	शकूरबस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	18:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., सीतामढ़ी एवं शिशो
04008	आनन्द विहार (ट.)	08:30	जोगबनी	17:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद जं., हापुड, मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरहटिया, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम, वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट जं. एवं फारबिसगंज जं. स्टेशन
04234	शकूरबस्ती	09:45	लखनऊ	20:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली सफदरजंग, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली एवं शाहजहांपुर
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान एवं एग्जि. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
01662	हज़रत निज़ामुद्दीन	21:30	रानी कमलापति	10:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (ईकॉनोमी), शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट जं., ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., बीना जं. और विदिशा
दिनांक 26.10.2025 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुलतानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04410	शकूरबस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	18:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., सीतामढ़ी एवं शिशो
04236	शकूरबस्ती	09:45	लखनऊ	20:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 2 टियर सह 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली सफदरजंग, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली एवं शाहजहांपुर

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहको की सेवा मे मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

संपादकीय

संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की भारतीय मांग

कल शुक्रवार को वैश्विक संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के बाद 81वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। 24 अक्तूबर, 1945 में जब द्वितीय विश्व युद्ध की राख से संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) का जन्म हुआ, तो इसके चार्टर में एक ही सपना बुना गया था, विश्व शांति, सहयोग और समानता का ऐसा ताना-बाना, जो आने वाली पीढियों को युद्ध की भयावहता से बचाए।

परंतु आज, जब यह संस्था अपने 81वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है, तो उसके मूल उद्देश्य और मौजूदा स्वरूप के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर 2020 को संयुक्त राष्ट्र के 75वें अधिवेशन में जिस दृढ़ता से इस संस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई थी, वह केवल भारत की नहीं बल्कि पूरी दुनिया की आवाज थी। उनका सवाल था, आखिर भारत जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए और कब तक इंतजार करना होगा?

भारत, जो दुनिया की पहली सबसे बड़ी आबादी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है, जिसने शांति, विकास और मानवता के क्षेत्र में अनगिनत योगदान दिए हैं, आज भी सुरक्षा परिषद के निर्णायक वर्ग से बाहर है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन, वीटो शक्ति के बल पर आज भी पूरी संस्था के निर्णयों को अपनी इच्छा अनुसार नियंत्रित करते हैं।

परिणामस्वरूप, चाहे रूस-यूक्रेन का युद्ध हो, गाजा का संकट हो या म्यांमार की स्थिति, संयुक्त राष्ट्र अक्सर असहाय और निष्क्रिय दिखाई देता है। इस वीटो व्यवस्था ने लोकतांत्रिक बहुमत की अवधारणा को कमजोर किया है, क्योंकि एक देश का 'ना' विश्व की सामूहिक इच्छा पर भारी पड़ जाता है। इसलिए विश्व के कई प्रमुख देशों की मांग है कि संयुक्त राष्ट्र संघ में विकासशील और कम विकसित देशों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। स्थायी सदस्यों को भी एक निश्चित अवधि पूरी होने के बाद बदल दिया जाना चाहिए। भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान ने मिलकर जी-4 समूह बनाकर इस व्यवस्था में बदलाव की मांग की है।

भारत का तर्क स्पष्ट है, जब संयुक्त राष्ट्र के निर्णय सभी देशों को प्रभावित करते हैं, तो प्रतिनिधित्व भी सभी को मिलना चाहिए। भारत न केवल एशिया का बल्कि विश्व का प्रामाणिक प्रतिनिधि है, जिसने विकास, जलवायु, न्याय, गरीबी उन्मूलन और शांति स्थापना के लिए ठोस प्रयास किए हैं। शांति अभियानों की बात करें तो भारत का योगदान अनुपम है। 1950 के दशक से अब तक भारत ने 50 से अधिक यूएन मिशनों में 2.9 लाख से अधिक सैनिक भेजे हैं। आज भी भारत के लगभग सात हजार से अधिक सैनिक और पुलिसकर्मी विभिन्न विश्व शांति अभियानों में कार्यरत हैं।

भारत ने 82 देशों के आठ सौ से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया है। यह योगदान केवल सैन्य नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी असाधारण है, जो यह साबित करता है कि भारत विश्व शांति में आस्था रखता है, न कि प्रभुत्व में। परंतु दुखद यह है कि ऐसी प्रतिबद्धता के बावजूद भारत को निर्णयकारी मंच से दूर रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि सुधार की दिशा में ठोस कदम न उठाने पर यह संस्था धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो देगी। दुनिया बदल चुकी है, अब संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि व्यापार, जलवायु परिवर्तन, महामारी, साइबर अपराध, आतंकवाद और प्रवासन जैसी नई चुनौतियों ने वैश्विक व्यवस्था को जटिल बना दिया है।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए 1945 की सोच नहीं, बल्कि 21वीं सदी की समावेशी दृष्टि की आवश्यकता है। इसी तरह आतंकवाद के प्रश्न पर भी संयुक्त राष्ट्र असफल रहा है। 1996 में भारत ने 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि' का प्रस्ताव रखा था, परंतु 29 वर्षों बाद भी यह प्रस्ताव अधर में है, क्योंकि सदस्य देश आज तक आतंकवाद की परिभाषा पर सहमत नहीं हो पाए।

भारत चाहता है कि जो देश शांति स्थापना, मानवीय सहायता और विकास में वास्तविक योगदान दे रहे हैं, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व मिले। भारत जैसे देश, जो जी-20, ब्रिक्स और आईबीएसए जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, वे इस समावेशी वैश्विक नेतृत्व को आकार देने में सक्षम हैं। नरसंहार, युद्ध अपराध या मानवता के विरुद्ध अपराधों के मामलों में वीटो के उपयोग पर भी सीमा लगाई जानी चाहिए, ताकि न्याय की राह किसी एक देश की राजनीतिक इच्छा पर निर्भर न रहे। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र की जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए उसके कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और स्वतंत्र लेखा परीक्षण आवश्यक है। भारत की भूमिका केवल सुधार की मांग तक सीमित नहीं, बल्कि यह नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को भी तैयार है।

योग दिवस, जलवायु न्याय, वसुधैव कुटुंबकम् की भावना और मानव कल्याण पर आधारित भारत की विदेश नीति यह दिखाती है कि भारत शक्ति संतुलन नहीं, बल्कि संतुलित शक्ति का प्रतीक बनना चाहता है। संयुक्त राष्ट्र अपनी 81वीं वर्षगांठ मना रहा है। यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का भी है। विश्व अब बहुध्रुवीय हो चुका है। ऐसे में यूएन को भी बहु-आवाजीय बनना होगा।

यदि यह संस्था समय के अनुरूप खुद को ढालने में असफल रहती है, तो नई क्षेत्रीय व्यवस्थाएं, जैसे जी-20, ब्रिक्स और अफ्रीकी संघ, धीरे-धीरे इसकी भूमिका को प्रतिस्थापित कर देंगी। अतः अब समय आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र अपने चार्टर के मूल उद्देश्य, 'हम लोग युद्ध से आने वाली भावी पीढ़ियों को बचाना चाहते हैं', को फिर से व्यवहार में उतारे और यह तभी संभव है जब भारत जैसे देशों को निर्णायक भूमिका देकर इस संस्था को समावेशी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जाए। यही वह दिशा है, जो 21वीं सदी में संयुक्त राष्ट्र को फिर से मानवता की आशा का प्रतीक बना सकती है।

अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व न मिलना चिंता का सबब

एल.एस. हरदेनिया

समस्या यह है कि न सिर्फ मुसलमानों को बल्कि एक दूसरी अल्पसंख्यक कौम ईसाईयों को भी प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। पहले मध्यप्रदेश की विधानसभा में ईसाई सदस्य रहते थे। वे मंत्री भी बने और वे भी ऐसे स्थानों से चुने जाते थे जहां ईसाईयों की संख्या लगभग नगण्य होती थी। देश की एक बड़ी कौम को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना हमारी राष्ट्रीय असफलता है। हमें इस बारे में सोचना पड़ेगा।

हमारे देश में ऐसी परिस्थितियां पैदा हो रही हैं कि अल्पसंख्यक तबकों को न तो संसद में और न ही राज्य विधानसभाओं में उनकी आबादी के अनुरूप प्रतिनिधित्व मिल रहा है। इस समय बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए जो टिकिट बांटे जा रहे हैं उनमें लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी, कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने बहुत कम मुसलमानों को टिकट दिए हैं। बिहार, उत्तरप्रदेश और बंगाल ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की खासी आबादी है। इसे मद्देनजर राजनीतिक पार्टियों को वहां मुसलमानों को भी समानुपातिक सीट देनी चाहिए। एक जमाने में काफी संख्या में मुसलमान विधायक और सांसद बनते थे।

मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि मध्यप्रदेश विधानसभा में 10-12 मुसलमान विधायक रहा करते थे। मंत्रीपरिषद में भी मुसलमान रहते थे, वे स्पीकर भी बनते थे। गुलशेर अहमद मध्यप्रदेश की विधानसभा के सदस्य भी रहे और उसके स्पीकर भी। उन्होंने दोनों जिम्मेदारियां बहुत खूबसूरती से निभाईं। मध्यप्रदेश की परंपरा इतनी गौरवशाली थी कि कई मुस्लिम विधायक और सांसद ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते थे जहां अल्पसंख्यकों की आबादी न के बराबर थी। न सिर्फ कांग्रेस उन्हें टिकट आवंटित करती थी बल्कि वहां के वोटर इतने समझदार थे कि मुसलमानों की आबादी कम होने के बाद भी वे मुसलमान उम्मीदवार को चुनते थे। ऐसे कई उदाहरण हैं। मेरे मित्र अजीज कुरैशी सीहोर से विधायक चुने गए थे, जहां मुसलमानों की आबादी बहुत कम थी। वे सांसद भी चुने गए। वे मध्यप्रदेश की मंत्री परिषद के कई बार सदस्य रहे। कु रैशी कई राज्यों के राज्यपाल भी रहे।

अब यह गौरवशाली परंपरा समाप्त हो रही है। इस समय मध्यप्रदेश की विधानसभा में सिर्फ दो विधायक मुसलमान हैं। दोनों भोपाल से हैं। इसके पिछली विधानसभा में सिर्फ एक ही मुसलमान थे, वह थे भोपाल के पुराने शहर से चुने गए आरिफ अकील। अभी एक केन्द्रीय मंत्री ने साफ कहा है कि हमें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए और मुसलमानों को उन्होंने नमक हराम बताया। इससे खराब गाली और क्या हो सकती है? यदि यही स्थिति बनी रही तो एक दिन ऐसा भी आएगा जब पूरे देश में एक भी सांसद या विधायक मुसलमान नहीं होगा। ऐसी स्थिति आने के पूर्व हमारे देश के नेतृत्व को कुछ सोचना चाहिए।

अल्पसंख्यक के नाम पर हमारे देश में केवल जैन भाईयों और सिक्ख भाईयों को प्रतिनिधित्व मिलता है, वो भी इक्का-दुक्का। जैनियों की जितनी संख्या है उसकी तुलना में उन्हें काफी ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलता है। उससे

हमें कोई शिकायत नहीं है। जैन एक संपन्न कौम है। जैनियों के अनुभव और उनकी बुद्धिमत्ता उल्लेखनीय है और देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

मगर समस्या यह है कि न सिर्फ मुसलमानों को बल्कि एक दूसरी अल्पसंख्यक कौम ईसाईयों को भी प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। पहले मध्यप्रदेश की विधानसभा में ईसाई सदस्य रहते थे। वे मंत्री भी बने और वे भी ऐसे स्थानों से चुने जाते थे जहां ईसाईयों की संख्या लगभग नगण्य होती थी। देश की एक बड़ी कौम को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना हमारी राष्ट्रीय असफलता है। हमें इस बारे में सोचना पड़ेगा।

कई देशों में अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। लंदन का मेयर मुसलमान है। केनडा की संसद में कई सिक्ख भाई हैं। अमेरिका में कई भारतवासी बसते हैं, जो सीनेट एवं हाउस ऑफ रिप्रिजेन्टेटिव्स के सदस्य हैं। यहां तक कि इन देशों में भारतीय हिन्दू गवर्नर भी हैं, जज भी हैं। यहां भारत में न सिर्फ चुने हुए प्रतिनिधियों में बल्कि देश की अनेक संवैधानिक संस्थाओं में भी अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व कम होता जा रहा है। न्यायपालिका, विशेषकर उच्च न्यायालयों, में भी ऐसी ही स्थिति बनती जा रही है। जो भी हो, राजनीति में इसका उपाय क्या है? जब मतदाता उन्हें नहीं चुनेंगे तो फिर उनका प्रतिनिधित्व कैसे होगा।

मैं पाकिश्तान गया था। वहां की संसद की डेपुटी स्पीकर से मेरी मुलाकात हुई। उनसे मैंने पूछा कि आपके देश में बहुत सारे हिन्दू भाई रह रहे हैं जो आपके देश के विकास में योगदान दे रहे हैं और यदि वे चुनकर नहीं आते हैं आप क्या करती हैं? उन्होंने कहा कि यदि एक भी हिन्दू चुनकर नहीं आता तो हम उनको मनोनीत करते हैं। दुनिया में इस तरह के और भी देश होंगे जहां अल्पसंख्यक यदि चुनाव से प्रतिनिधित्व हासिल नहीं कर पाते तो उन्हें मनोनीत किये जाने का प्रावधान होगा। इतनी बड़ी आबादी-चाहे वह मुसलमानों की हो या ईसाईयों की, उनका देश की प्रगति में योगदान न हो यह कल्पना के बाहर की चीज है।

ईसाईयों ने हमारे देश के विकास में बहुत मदद की है। सारे देश में ईसाई मिशनरियों द्वारा संचालित स्कूल और अस्पताल हैं। वे परोपकार के बहुत सारे काम करते हैं। उनका एक भी प्रतिनिधि मध्यप्रदेश विधानसभा में न होना क्या चिंता की बात नहीं है? मेरी समझ में इस चिंतनीय स्थिति को देखते हुए हमारी संसद और विधानसभाओं को सोचना चाहिए कि अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व कैसे दिलाया जाए। क्या मनोनयन के जरिए? या आनुपातिक प्रतिनिधित्व के जरिए? या किसी और तरीके से? बिहार, बंगाल, उत्तरप्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां मुसलमानों की संख्या काफी है। इन राज्यों में तो इस तरह का प्रबंध होना ही चाहिए। बिहार के चुनाव के बाद क्या स्थिति उभरकर आती है यह देखा जाना बाकी है। भले ही बड़े राजनैतिक दलों ने उन्हें पर्याप्त संख्या में टिकट न दिया हो, मगर यह देखा जाना बाकी है कि क्या वे किसी छोटी-मोटी पार्टी से या निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनकर आते हैं या नहीं। हमें इसका इंतजार करना होगा।

चीन में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार और मुस्लिम देशों की चुप्पी

अशोक मधुप

आज के आधुनिक युग में, जब मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की बातें वैश्विक मंचों पर जोर-शोर से उठाई जाती हैं, चीन में उइगर मुसलमानों की स्थिति, उनके उत्पीड़न और उनकी धार्मिक आजादी पर हमले गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

चीन के शिनजियांग प्रांत में, जहाँ अधिकांश उइगर आबादी रहती है, सरकार द्वारा व्यापक पैमाने पर अत्याचार और दमन की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। इन अत्याचारों में जबरन श्रम, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को मिटाने के प्रयास, और तथाकथित 'पुनर्शिक्षण शिविरों' में बड़े पैमाने पर कैद शामिल हैं। इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के बावजूद, दुनिया के कई मुस्लिम देशों की चुप्पी हैरान करने वाली है।

कारोबार के सिलसिले में अरब व्यापारियों द्वारा चीन का सफर करने के कारण चीन में इस्लामी प्रभाव सैकड़ों वर्ष पुराना है, लेकिन शिनजियांग में उइगुर मुसलमानों का संबंध अरब नरल से नहीं है। इनका ताल्लुक तुर्कों से है। इनकी भाषा और संस्कृति चीनी भाषा और संस्कृति से भिन्न है। शिनजियांग को सरहदें मंगोलिया, तजाकिस्तान, अफगानिस्तान, करकिश्तान, कजाकिश्तान और हिंदुस्तान से मिलती हैं। शिनजियांग सदियों से कृषि एवं व्यापार पर आधारित है। काशगर समेत कई नगर प्रसिद्ध सिल्क रूट के लिए जाने जाते हैं। चीन में मुसलमानों की आबादी करीब 2.85 प्रतिशत है। शिनजियांग में लगभग 47 प्रतिशत (1.2 करोड़) उइगुर मुसलमान और 40 फीसदी हॉन चौनी राहते हैं।

1949 में शिनजियांग में 90 प्रतिशत तुर्की मुसलमान और चार फीसदी हान वंशी आबाद थे। अब वहां हान चीनियों की बड़ी तादाद को बसाकर उइगुरों को अल्पसंख्यक बनाया जा चुका है। चीन में 39 हजार मसजिदें हैं। इनमें 25 हजार शिनजियांग में हैं। 20 नवंबर 1949 को उइगुरों ने पूर्वी तुर्किश्तान (शिजियांग) को स्वतंत्र घोषित किया था, किंतु यह स्वतंत्रता अधिक दिनों तक कायम नहीं रह सकी। चीन की कम्युनिस्ट सरकर ने उसी वर्ष फौजी कार्रवाई करते हुए इसे पीपुल रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) में शामिल कर लिया। इस कारण चीन और उइगुरों के बीच झड़पों का सिलसिला जारी है। कहा जाता है कि 1990 और 2008 के ओलंपिक खेलों के दौरान अलगाववादी उइगुरों द्वारा किए गए प्रदर्शनों से नाराज हुकमरान ने मुसलमानों को चीन के लिए खतरा मानते हुए अत्याचार में इजाफा किया। उन पर अफगानिश्तान में प्रशिक्षण लेने और अलकायदा से संबंध रखने का आरोप है।

स्थिति यह है कि शिनजियांग के मुसलमानों को अपना मजहब और पहचान छोड़कर कम्युनिज्म अपनाने के लिए बाध्य किया जा रहा है। चीन का एक स्वायत्त क्षेत्र शिनजियांग सदियों से उइगर मुसलमानों का घर रहा है। ये उइगर मुख्य रूप से सुन्नी मुस्लिम हैं। उनकी अपनी एक विशिष्ट संस्कृति, भाषा और इतिहास है। हालाँकि, पिछले कुछ दशकों में, चीनी सरकार ने इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कठोर नीतियाँ लागू की हैं। चीन इन उइगरों मुस्लिमों के लिए 'पुनर्शिक्षण शिविरों' का संचालन करता है।

कुख्यात और परेशान करने वाला मुद्दा चीन का इन 'पुनर्शिक्षण शिविरों' का संचालन है। चीन सरकार इन्हें 'व्यावसायिक कौशल शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र' कहती है, लेकिन कई पूर्व बंदियों और मानवाधिकार समूहों के अनुसार, ये वाश्तव में राजनीतिक और धार्मिक ब्रेनवाशिंग के केंद्र हैं। इन शिविरों में लाखों उइगरों और अन्य अल्पसंख्यक मुसलमानों को बिना किसी मुकदमे के कैद किया गया है।

यहाँ उन्हें अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को त्यागने, मंदारिन भाषा सीखने, और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी की शपथ लेने के लिए मजबूर किया जाता है। यौन उत्पीड़न, यातना, और जबरन नसबंदी की खबरें भी इन शिविरों से सामने आई हैं, जो मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हैं।इन शिविरों के बाहर भी उइगरों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर कड़े प्रतिबंध हैं।

मस्जिदों को ढहाया जा रहा है या उनकी वाश्तुकला को चीनी शैली में बदल दिया जा रहा है। बच्चों के अरबी नाम रखने पर प्रतिबंध है। कुरान जैसे धार्मिक ग्रंथों को जब्त किया जा रहा है। उइगर भाषा के उपयोग को हतोत्साहित किया जा रहा है और बच्चों को स्कूलों में मंदारिन भाषा सीखने के लिए मजबूर किया जा रहा है। निगरानी तंत्र बहुत व्यापक है। निगरानी तंत्र में चेहरे की पहचान करने वाले कैमरे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाता है। उइगरों के घरों में चीनी अधिकारियों को 'रिश्तेदार' बनाकर रहने के लिए भेजा जाता है, जो उनके व्यवहार पर नजर रखते हैं । उनकी धार्मिक प्रथाओं की निगरानी करते हैं।

चीन पर यह भी आरोप है कि वह उइगरों को जबरन श्रम में लगा रहा है। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों, विशेष रूप से कपड़ा और कपास उद्योग पर आरोप है कि वे उइगरों द्वारा जबरन श्रम से बने उत्पादों का उपयोग करती हैं। रिपोर्टों के अनुसार, उइगरों को अपने घरों से निकालकर दूर के कारखानों में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, जहाँ उन्हें बहुत कम या कोई वेतन नहीं मिलता। यह एक आधुनिक दासता का रूप है जो अंतर्राष्ट्रीय श्रम कानूनों का उल्लंघन है।

इस्लाम से संबंध होने, संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त रहने, पास्पोर्ट के लिए आवेदन करने, विदेशों में रह रहे रिश्तदारों से बात करने, सोशल मीडिया पर सर्च के दौरान अनजाने में विदेशी वेबसाइट खुल जाने, तब्लीग करने या फिर भरोसे के काबिल नहीं रहने के शक में उइगुरों पर अत्याचारों किए जा रहे हैं। मजहबी आजादी व आवास छीनते हुए उन्हें यातना शिविरों में रखा जा रहा है। चीन के मुस्लिम विरोधी रुख के चलते मर्दों को लंबी दाढ़ी रखने, टोपी औढ़ने, महिलाओं के नकाब पहनने, आबादी नियंत्रण को गर्भपात कराने, 16 वर्ष से कम आयु के अवयस्क बच्चों के दीनी तालीम हासिल करने और सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा करने की इजाजत नहीं है।

2014 से रमजान महीने के फर्ज रोजों पर प्रतिबंध लगा रखा है। 500 मसजिदों से अजान के लिए लगे लाउडस्पीकरों को हटा दिया गया। 2017 में मसजिदों से नमाज की चटाई, कुरआन मजीद और अन्य धार्मिक वश्तुएं हटाई जा चुकी हैं। हलाल चीजों से रोकने व हराम वश्तुओं के प्रयोग पर मजबूर किया जाता है। उन्हें इस्लाम से दूर रखने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

भारत, फिलिश्तीन और म्यांमार आदि में मुसलमानों के हक पर जरा सी आंच आते ही मुस्लिम जगत में बवाल मच जाता है। हाल में आई लब मुहममद के नारों के साथ भारत में कई जगह प्रदर्शन हुए लेकिन चीन द्वारा शिनजियांग में उइगुर मुसलमानों को कुचलने एवं योजनाबद्ध तरीके से नस्ल खत्म करने के मुद्दे पर हर तरफ खामोशी है। पड़ोसी देश को तो चीन द्वारा उइगुर मुसलमानों का उत्पीड़न और धार्मिक पाबंदियां नजर नहीं आतीं, अन्य मुस्लिम राष्ट्र भी आंखें मूंदें हुए हैं।

चीन में उइगर मुसलमानों पर हो रहे इस भयावह अत्याचार के बावजूद, दुनिया के अधिकांश मुस्लिम देश इस मुद्दे पर आश्चर्यजनक रूप से चुप हैं। जहाँ पश्चिमी देश और मानवाधिकार संगठन लगातार चीन की आलोचना कर रहे हैं। मुस्लिम बहुल देशों जैसे सऊदी अरब, पाकिश्तान, मिस्र, और संयुक्त अरब अमीरात ने इस मुद्दे पर या तो चुप्पी साध रखी है या चीन के पक्ष में बयान दिए हैं। यह चुप्पी न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि यह इस्लामी भाईचारे के सिद्धांतों के भी खिलाफ है, जो 'उम्मा' (वैश्विक मुस्लिम समुदाय) की एकता और एक दूसरे के समर्थन पर जोर देता है।

मुस्लिम देशों की इस चुप्पी के कई जटिल कारण हैं। सबसे बड़ा कारण आर्थिक निर्भरता है। चीन आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । कई मुस्लिम देशों का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और आर्थिक साझेदार है। पाकिश्तान, सऊदी अरब, और मिस्र जैसे देश चीन से बड़े पैमाने पर निवेश और आर्थिक सहायता प्राप्त करते हैं। चीन का 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (BRI) कई मुस्लिम देशों के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ ला रहा है। इन आर्थिक संबंधों को खतरे में डालने से बचने के लिए, ये देश मानवाधिकारों के मुद्दे पर चीन की आलोचना करने से बचते हैं।

मुस्लिम देश चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभाव को संतुलित करने वाले एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखते हैं। वे चीन के साथ अपनी भू-राजनीतिक संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं, खासकर जब उनके संबंध अमेरिका के साथ तनावपूर्ण होते हैं। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान चीन को भारत के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखता है। ईरान भी चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है, क्योंकि दोनों ही देश अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं।

चीन सरकार शिनजियांग में अपनी कठोर नीतियों को आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ने के लिए आवश्यक बताती है। कुछ मुस्लिम देश, जो स्वयं इस्लामी आतंकवाद से पीड़ित हैं, चीन के इस तर्क को स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि चीन की कार्रवाई उनके अपने सुरक्षा हितों के अनुरूप है, भले ही इसके लिए मानवाधिकारों का उल्लंघन हो। कई मुस्लिम देशों का अपना मानवाधिकार रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा नहीं है। सऊदी अरब, मिस्र, और तुर्की जैसे देशों में भी असहमति को दबाने और धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने के आरोप लगे हैं। इसलिए, वे चीन की आलोचना करने में हिचकिचाते हैं, क्योंकि इससे उन पर भी सवाल उठ सकते हैं। वे अक्सर आंतरिक मामलों में हश्तक्षेप न करने के सिद्धांत का हवाला देते हैं।

चीन में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार मानवाधिकारों का एक गंभीर उल्लंघन हैं। यह मुद्दा केवल एक क्षेत्रीय समस्या नहीं है, बल्कि एक वैश्विक नैतिक चुनौती है। मुस्लिम देशों की इस मामले पर चुप्पी विशेष रूप से निराशाजनक है। यह चुप्पी न केवल उन लाखों उइगरों के साथ विश्वासघात है जो अपने धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, बल्कि यह मुस्लिम उम्मा के मूलभूत सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

इस चुप्पी को तोड़ने और मानवाधिकारों के लिए खड़े होने के लिए, मुस्लिम देशों को अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर नैतिक जिम्मेदारी दिखानी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को चीन पर दबाव बनाना जारी रखना चाहिए, ताकि वह इन शिविरों को बंद करे, जबरन श्रम को खत्म करे, और उइगरों को उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता वापस दे। चीन द्वारा शिनजियांग के उइगुर मुसलमानों को हिरासती शिविरों में कैद रखने तथा उत्पीड़न के साथ उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध की अमानवीय वारदातें अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से छिपी नहीं हैं। अमेरिका के बाद जर्मनी ने भी चीन के अत्याचार, धार्मिक भेदभाव व नस्लीय घृणा की कठोर शब्दों में निंदा की है। पिछले दिनों हिरासती शिविरों में कैद 311 उइगुर मुसलमानों की सूची जर्मन न्यूज चैनल डी डब्ल्यू समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मीडिया को हासिल हुई। 403 पृष्ठों पर आधारित खुफिया दश्तावेज के सामने आने से मालूम हुआ कि उइगुर

मुसलमानों की तबाही और मानवता को लज्जित करने वाले किस्से सार्वजनिक पटल पर आने के बावजूद दुनिया भर के 180 करोड़ मुसलमानों का चीन चुप्पी साध लेना निराशाजनक है। एक दर्जन से अधिक मुस्लिम देशों का उइगुर प्रकरण पर चीन की हिमायत करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

"अंबेडकर या बी.एन. राव? संविधान की सच्ची कथा"

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक 26 नवम्बर 1949 का दिन है, जब संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया। यह दश्तावेज़ केवल एक कानूनी ढांचा नहीं, बल्कि एक जीवंत दर्शन है-स्वतंत्रता, समानता और न्याय का प्रतीक।

परंतु समय के साथ यह प्रश्न उठता रहा है कि आखिर इस संविधान का वाश्तविक निर्माता कौन था? क्या यह केवल डॉ. भीमराव अंबेडकर की रचना थी, या इसके पीछे बी.एन. राव जैसे मौन परंतु निर्णायक व्यक्तित्व की भूमिका अधिक थी?

संविधान निर्माण की कहानी केवल 1947 से नहीं शुरू होती। इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं-1919 के मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों से लेकर 1935 के भारत सरकार अधिनियम तक। इन्हीं सुधारों ने पहली बार भारत में संघीय शासन की अवधारणा को जन्म दिया। उसी काल में एक नाम उभरता है-सर बिनोद बिहारी नारायण राव, जिन्हें बाद में बी.एन. राव के नाम से जाना गया। ब्रिटिश प्रशासन में उच्च न्यायिक और संवैधानिक पदों पर कार्य करते हुए उन्होंने भारतीय प्रशासनिक ढांचे की बारीक समझ विकसित की।

1930 के दशक में जब द्वितीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित हुए, तब भारत में स्वशासन की दिशा स्पष्ट हो चुकी थी। 1932 के बाद, बी.एन. राव को औपचारिक रूप से संविधान निर्माण की प्रारंभिक तैयारियों में शामिल किया गया। दिल्ली में उनके नेतृत्व में 'संविधान निर्माण कार्यालय' स्थापित किया गया। 1944 में उन्हें "संविधान सलाहकार" और 1946 में "मुख्य संवैधानिक सलाहकार" नियुक्त किया गया। उनका कार्य था-अब तक बने सभी संवैधानिक मसौदों, ब्रिटिश कानूनों, प्रांतीय विधानमंडलों की रिपोर्टों और भारतीय नेताओं के सुझावों को संकलित कर एक आधारभूत प्रारूप तैयार करना।

14 जुलाई 1946 को जब संविधान सभा के गठन की औपचारिक घोषणा हुई, तब तक राव ने अपने कार्यालय में संविधान के कई मसौदे और कानूनी सुझाव एकत्र कर लिए थे। इसी का परिणाम था कि उन्होंने 30 अक्टूबर 1947 को संविधान का "प्रारंभिक मसौदा" (First Draft) तैयार कर संविधान सभा को सौंपा। यह मसौदा आगे चलकर भारतीय संविधान का आधार बना।

इसी बीच, राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहे थे। 1946 में संविधान सभा के चुनाव हुए। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो उस समय तक एक प्रसिद्ध विधिवेत्ता और दलित अधिकारों के समर्थक के रूप में जाने जाते थे, महाराष्ट्र से चुनाव हार गए। किंतु लार्ड वावेल और बाद में माउंटबेटन के आग्रह पर, नेहरू और कांग्रेस नेतृत्व ने यह माना कि अंबेडकर जैसे विद्वान व्यक्ति का संविधान सभा में होना आवश्यक है। फलस्वरूप, बंगाल की मुस्लिम लीग ने अपने कोटा से उन्हें एक सीट दी, जिससे वे जुलाई 1947 में संविधान सभा में प्रवेश कर सके। संविधान सभा ने 29 अगश्त 1947 को एक "ड्राफ्टिंग कमिटी" का गठन किया, जिसमें अंबेडकर को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस समिति का कार्य बी.एन. राव द्वारा तैयार किए गए प्रारूप का पुनरीक्षण कर उसे अंतिम रूप देना था। राव उस समय समिति के आधिकारिक सलाहकार के रूप में जुड़े रहे। यही वह बिंदु है जहाँ से अंबेडकर की भूमिका

निर्णायक रूप में सामने आती है।

डॉ. अंबेडकर का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने राव के मसौदे को केवल कानूनी दश्तावेज़ नहीं रहने दिया-उसे सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों की भावना से भर दिया। संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक के मौलिक अधिकारों का स्वरूप उसी दृष्टि का परिणाम है। समानता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक उपचार जैसे प्रावधान अंबेडकर के समाजदर्शी दृष्टिकोण से जुड़े हुए हैं।

यद्यपि कई मौलिक विचार और संस्थागत ढांचे जैसे सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, संघीय ढांचा, नीति निर्देशक तत्व आदि पहले से ही संविधान सभा में चर्चा के लिए रखे जा चुके थे, किंतु अंबेडकर ने उन्हें व्यवहारिक और भारतीय सामाजिक संरचना के अनुरूप ढाला। यही कारण है कि संविधान को एक "जीवित दश्तावेज़" कहा जाता है। बी.एन. राव और अंबेडकर की भूमिकाएँ परस्पर पूरक थीं। राव का दृष्टिकोण विधिक और संरचनात्मक था, जबकि अंबेडकर का दृष्टिकोण सामाजिक और सुधारवादी। राव ने संविधान की नींव रखी, अंबेडकर ने उसे आत्मा दी। यही संतुलन भारतीय संविधान को अद्वितीय बनाता है।

यह भी सच है कि संविधान का उद्देश्य प्रश्ताव (जो बाद में प्रश्तावना या 'प्रीऐम्बल' कहलाया) जनवरी 1947 में ही संविधान सभा द्वारा पारित किया जा चुका था। उसमें भारत को "संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य" घोषित करने की भावना पहले से ही दर्ज थी। इसी प्रकार, मौलिक अधिकारों पर भी चर्चा जून 1947 से शुरू हो चुकी थी। परंतु इन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप देने का श्रेय ड्राफ्टिंग कमिटी को जाता है, जिसका नेतृत्व अंबेडकर कर रहे थे। आजादी के बाद जब संविधान लागू हुआ, तो दुनिया ने देखा कि कैसे एक विविध, बहुभाषी, बहुधर्मी देश एक संवैधानिक ढांचे के भीतर एकजुट रह सकता है। यह उपलब्धि केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं थी-यह उन सभी 299 सदस्यों की थी जिन्होंने संविधान सभा में बैठकर 2 वर्ष 11 माह 18 दिन तक विचार-विमर्श किया। परंतु यह भी तथ्य है कि बी.एन. राव के बिना वह बुनियादी ढांचा अशितत्व में नहीं आ पाता, और अंबेडकर के बिना वह ढांचा आत्माहीन रह जाता। इतिहास में अक्सर ऐसा होता है कि राजनीतिक प्रतीक किसी बौद्धिक योगदान को ढँक लेते हैं। अंबेडकर एक जननायक थे, इसलिए स्वाभाविक रूप से उनका नाम अधिक प्रसिद्ध हुआ। राव का योगदान मौन था, परंतु गहराई से निर्णायक था। यह स्थिति वैसी ही है जैसे किसी वाश्तुकार ने भवन की योजना बनाई हो और किसी अन्य ने उसे जीवन देकर सजाया हो।

दोनों में से किसी एक को भी हटाया जाए, तो वह रचना अधूरी रह जाती है। अब समय आ गया है कि भारतीय समाज अपने संविधान के निर्माण की कहानी को केवल व्यक्ति-पूजा की दृष्टि से नहीं, बल्कि एक संस्थागत और बौद्धिक प्रक्रिया के रूप में देखे। संविधान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक चेतना का परिणाम है-उस चेतना का, जिसने गुलामी के बाद लोकतंत्र का स्वप्न देखा और उसे वाश्तविकता में बदला। यदि आज हम स्वतंत्र भारत के नागरिक हैं, समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों का उपयोग करते हैं, तो हमें उन सभी को नमन करना चाहिए जिन्होंने इस यात्रा को संभव बनाया। बी.एन. राव का गहन विधिक ज्ञान, डॉ. अंबेडकर की सामाजिक दृष्टि, जवाहरलाल नेहरू की राजनीतिक दूरदर्शिता, सरदार पटेल की संगठन क्षमता-ये सभी उस विराट वृक्ष की जड़ें हैं जिसे हम भारतीय संविधान कहते हैं। इसलिए यह विवाद कि "वाश्तविक निर्माता कौन है"- संकीर्ण दृष्टिकोण है। सही प्रश्न यह होना चाहिए कि "हमारी संविधान प्रक्रिया में किसने कौन-सा अवदान दिया। " इतिहास न्याय तब करता है जब वह संपूर्ण सत्य को देखता है, न कि केवल प्रसिद्ध चेहरों को। बी. एन. राव और डॉ. अंबेडकर दोनों ही उस इतिहास के अपरिहार्य अध्याय हैं-एक ने संविधान की रचना की, दूसरे ने उसे आत्मा दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

नगर में दो पक्षों की घटना के बाद पुलिस सतर्क, फ्लैग मार्च कर बढ़ाई निगरानी

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में दो पक्षों के बीच हुई मामूली झड़प के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल, चौकी इंचार्ज कुलदीप कुमार तथा पीएसी बटालियन के जवानों ने नगर और मुख्य बाजार क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की बात कही गई। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि नगर में लगातार गश्त बढ़ा दी गई है और पुलिस हर स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा का संदेश देना और असामाजिक तत्वों को चेतावनी देना था कि कानून व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगरवासियों ने पुलिस की इस सक्रियता की सराहना की और विश्वास जताया कि प्रशासन की सख्ती से क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम रहेगी।

देहरादून निकली युवती, गांव में मचा हड़कंप, गुलदार के हमले की अफवाह पर घंटों जंगल खंगालती रही पुलिस

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना नहटौर क्षेत्र के गांव राजपुर नंहेड़ा में उस समय हड़कंप मच गया। जब एक युवती के लापता होने पर ग्रामीणों में अफवाह फैल गई कि उसे गुलदार उठा ले गया है। देखते ही देखते गांव में कोहराम मच गया और सूचना पर पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। टीमों ने कई घंटे तक जंगल और गन्ने के खेतों में युवती की तलाश की।

हालांकि देर शाम परिजनों के पास युवती का फोन आया, ।जिसमें उसने बताया कि वह देहरादून पहुंच गई है। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। बताया जा रहा है कि युवती गांव से अचानक बिना किसी को बताए निकल गई थी, जिससे परिजन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

फिलहाल पुलिस टीम देहरादून रवाना हो गई है। जहां से युवती को लाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूरा मामला थाना नहटौर क्षेत्र के गांव राजपुर नंहेड़ा का है।घटना को लेकर इलाक़े में चर्चाओ का बाजार भी गर्म बना हुआ है।

दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज मिलन समारोह सह पत्रकार का सम्मेलन का हुआ आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. मंडावर ✷

त्योहारों के उपलक्ष में मिलन समारोह सह पत्रकार सम्मेलन का हुआ आयोजन। मिलन समारोह में सभी पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।मिलन समारोह समाज के अन्य महत्वपूर्ण लोगों का एक साथ आने का अवसर मिला है।

बुधवार को सभी पत्रकार एकत्रित हुए और एक दूसरे को मिठाई बाटकर दीपावली, गोवर्धन पूजा व भैया दूज की खुशियां साझा की। जितेंद्र सिंह उपाध्याय संगठन अध्यक्ष ने बताया कि पत्रकारों को मिलन समारोह का अवसर आयोजित किया। इसका उद्देश्य मीडिया जगत के लोगों के बीच आपसी सौहार्द और एकजूटता को बढ़ावा देना है। पत्रकार मिलन समारोह पत्रकारों को आपसी मतभेद बुलाकर एक दूसरे से मिलने और संबंध मजबूत करने का अवसर देता है। पत्रकार मिलन समारोह में उपस्थित रहे।

राजीव चौधरी, विनीत चौधरी ,जितेंद्र सिंह उपाध्याय संघटन अध्यक्ष ,राहुल कुमार ,शकील अहमद, प्रमोद कश्यप, दिनेश राजपूत, समीर खान, आदि।

पुरानी रंजिश में किशोर को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

क्षेत्र के ग्राम सलारपुर सफ्फकतपुर निवासी अब्दुल कलाम का 13 वर्षीय पुत्र मौहम्मद उजैर गांव के मदरसे के सामने प्लाट में खेल रहा था।

बताया जाता है कि बीती सायं पुरानी रंजिश के चलते गांव के दूसरे पक्ष के लोगों ने मौहम्मद उजैर को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भैया दूज का त्यौहार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

भाई के अटूट प्रेम का पर्व भैया दूज का त्यौहार नगर व क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाई को तिलक कर भगवान से उनकी लंबी उम्र, सुख शांति और समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहन को रक्षा का वचन देते हुए उन्हें शगुन के रूप में आकर्षक उपहार दिए।

बृहस्पतिवार को भाई दूज का त्यौहार परंपरागत व धूमधाम तरीके से मनाया गया। बहनें भी अपने भाई के घर उनका तिलक करने के लिए जा रही थी। कोई बस से तो कोई निजी संसाधन से अपने गंतव्य की ओर जाते हुए दिखाई दे रहा था। ऐसे में सभी जगह रौनक दिखाई दे रही थी। भाई के घर पहुंचने के बाद बहनों ने रोली चावल से तिलक कर भाई की खुशहाली और दीघार्यु के लिए प्रार्थना की। इसके बाद भाइयों ने भी तिलक कराने के बाद अपनी बहनों को दक्षिणा व उपहार भी भेंट किए। नगर में मिठाई की दुकानो तथा किराने की दूकानों पर भी खासी भीड़ दिखाई दी। जहां अलग-अलग किस्म और कीमत की मिठाइयां दुकान पर सजी हुई थी और खरीददारों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी।

आवारा कुत्तो के हमले में 2 मासूमों सहित 6 घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

क्षेत्र में कुत्तों के हमलों में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। मोहल्ला नेजा सराय और ग्राम बल्लाशेरपुर में हुई इन घटनाओं के बाद घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है। स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की है।

मोहल्ला नेजा सराय में बुधवार दोपहर मोहम्मद अली (11) पुत्र तसलीम और अरहान (8) पुत्र शहजादा को खेलते समय एक कुत्ते ने काट लिया। बच्चों के शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और कुत्ते को भगाया।

इसी कुत्ते ने बाद में रिक्शा चालक कासिम (45) पुत्र शमीम अहमद को भी पैर में काट लिया, जब वह खाना खाने घर जा रहे थे। तीनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। इसके अतिरिक्त, ग्राम बल्लाशेरपुर में मयंक पुत्र बृजेश और प्रीति पत्नी बृजेश को उनके पालतू कुत्ते ने खाना खिलाते समय काट लिया।

बृजेश ने मां-बेटे दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। नगर में कुत्तों के बढ़ते हमलों से लोगों में चिंता का माहौल है। सड़कों पर आवारा कुत्ते घूमते दिखाई दे रहे हैं, जिससे रात और दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने बताया कि मोहल्ले में अभियान चलाकर कुत्तों को पकड़ा जाएगा और उनकी नसबंदी कराई जाएगी। डॉक्टर आशीष आर्य ने जानकारी दी कि कुत्ते के काटने वालों के लिए वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

हर्षोल्लास से मनाया गया भैया दूज का त्योहार

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

गुरुवार को भाई-बहन के परिशुद्ध प्रेम का प्रतीक भैया दूज का त्योहार क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंगल तिलक के लिये बुधवार शाम से ही भाईयों अपनी बहनों तथा बहन का अपने भाईयों के घर जाने का सिलसिला शुरु हो गया। ट्राफिक कंट्रोल के लिये पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पडी।

इस अवसर पर बहनों ने अपने भाई के सुखी जीवन के लिए अक्षत, कुमकुम आदि से अष्टदल कमल बनाया तथा व्रत का संकल्प लेकर यमराज की विधि विधान से पूजा की। साथ ही यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों का भी पूजन किया गया। फिर बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाईयों को तिलक लगाकर उनकी आरती करते हुए ईश्वर से उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन गुजारने की कामना की। बहनों ने अपने भाईयों को मिष्ठान खिलाकर उनका मूंह भी मीठा कराया। वहीं भाईयों ने अपनी बहनों को उपहार दिये।

मान्यता है कि यमराज हर वर्ष अपनी बहन यमुना से मिलने उनके घर जाते थे। यमुना ने उनसे वरदान मांगा था कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को जो बहन अपने घर पर भाई तिलक लगाकर भोजन कराएगी उसे यम का डर न हो। ऐसे में उन्होंने यमुना को वरदान दे दिया।

बाइक व साईकिल की टक्कर में तीन घायल

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

थाना स्योहारा क्षेत्र में बुधवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब साइकिल सवार युवक को बाइक सवारों ने टक्कर मार दी।

घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) स्योहारा में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार, मिलकियां निवासी अर्सलान (16 वर्ष) पुत्र नोसाद साइकिल से सड़क पार कर रहा था। तभी ग्राम बुडावाला निवासी पारुल पुत्री कमलेश कुमार और परवेश, जो बाइक से आ रहे थे, साइकिल से टकरा गए। हादसे में तीनों लोग घायल हो गए।

घटना में अर्सलान के सिर में गंभीर चोट, पारुल के माथे और आंख के ऊपर चोट, जबकि परवेश के माथे पर सूजन (गुम चोट) आई है। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को उपचार के लिए CHC स्योहारा लाया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक कुलबीर सिंह मय कोबरा मोबाइल 43 के साथ CHC स्योहारा पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की।

मायावती छह नवंबर से बिहार में चुनाव प्रचार का करेंगी आगाज, दो दर्जन से ज्यादा रैली कर सकती हैं

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की राष्टीय अध्यक्ष मायावती आगामी छह नवंबर से बिहार चुनाव में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। वह छह नवंबर को भभुवा हवाई अड्डे के मैदान में रामगढ़ और कैमूर सीट के प्रत्याशियों के समर्थन में वोट देने की अपील करेंगी।

पार्टी संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में आयोजित रैली में लाखों लोगों के जुटने के बाद बिहार चुनाव में मायावती की रैलियों की डिमांड की जा रही है। सूत्रों का कहना है पार्टी द्वारा बिहार चुनाव के लिए मायावती की करीब दो दर्जन रैलियों को आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे पहले पार्टी के राष्टीय संयोजक आकाश आनंद अपनी बिहार यात्रा के जरिये पार्टी की सफलता के लिए जमीन तैयार कर चुके हैं। अब मायावती की रैलियों के आयोजन के बाद बिहार में दलित वोट बैंक को अपने पाले में करने की कवायद की जा रही है।

बिहार चुनाव के लिए पार्टी ने अपने 40 स्टार प्रचारक मैदान में उतारे हैं, जिनमें से मायावती की रैलियों की सबसे ज्यादा डिमांड की जा रही है। इसके अलावा आकाश आनंद और

केंद्रीय कोऑर्डिनेटर रामजी गौतम और डॉ. लालजी मेधंकर भी प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं कर रहे हैं। पार्टी ने अब तक अपने 128 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है।

बसपा सुप्रीमो ने बीती 16 अक्तूबर को राष्टीय स्तर के पदाधिकारियों की बैठक के बाद राष्टीय संयोजक आकाश आनंद से बिहार चुनाव की तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान आकाश ने उन्हें बिहार के हालिया राजनीतिक समीकरणों के साथ बसपा की स्थिति के बारे में रिपोर्ट सौंपी। सूत्रों के मुताबिक इस रिपोर्ट में बिहार चुनाव में इंडी गठबंधन में अनबन और प्रशांत किशोर की पार्टी द्वारा वोटों को प्रभावित करने के बारे में बताया गया, जिसके बाद मायावती ने बूथ स्तर पर ही पूरा फोकस करने का निर्देश दिया।

दिवाली के बाद यूपी के 5 जिलों की हवा में घुला अधिक जहर, राजधानी में इतना है एक्यूआई

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में दीपावली पर दो दिन तक हुई आतिशबाजी ने हवा में जहर घोल दिया है। इसकी वजह से प्रदूषण इतना बढ़ा कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दो दिन में ही काफी बढ़ गया है। इससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायत भी है।

कई शहरों में वायु गुणवत्ता गुरुवार को खराब और बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई है। जबकि पड़ोसी राज्य दिल्ली के कई इलाकों में बहुत खराब स्थिति दर्ज की गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की साइट पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार, यूपी के मेरठ जिले में सुबह 10 बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 332 दर्ज किया गया। जबकि हापुड़ जिले का 244 और बुलंदशहर का 214 दर्ज किया है।

अधिक प्रदूषण वाले जिले एनसीआर में आते हैं। सिर्फ राजधानी लखनऊ की हवा खराब है। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 211 दर्ज किया गया है।

एक्यूआई रीडिंग को अच्छा (0-50), संतोषजनक (51-100), मध्यम प्रदूषित (101-200), खराब (201-300), बहुत खराब (301-400), और गंभीर (401-500) श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस स्तर का प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सांस संबंधी दिक्कतों, आंखों में जलन, सिरदर्द और हृदय रोग के खतरे को बढ़ा सकता है। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। वहीं, ये भी कहा है कि बाहर निकलने पर मास्क पहनने की सलाह भी दी है।

छह महीने से ग्रामवासी कर रहे हैं अंडरपास की मांग

धरने पर पहुंची मंजू चौधरी ने एनएचएआई अधिकारियों से की वार्ता

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बैराज से शुरू होकर रावली तक करीब 25 गांव ऐसे हैं जो आपस में निरंतर जुड़े हुए हैं । जिनका राश्ता बैराज से उतरने के बाद हेमराज कॉलोनी के सामने की जो रोड है वहां से सीधा जाता है। ये ग्राम वासियों ने केंद्रीय मंत्री सड़क परिवहन माननीय नितिन गडकरी जी से मांग कर रहे हैं कि हमें हेमराज कॉलोनी के सामने एक अंडरपास दिया जाए।

करीब छह महीने से ग्रामीण लगातार संघर्ष कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ मंजु चौधरी ग्रामवासियों के बीच पहुंची और हालात की जानकारी लेने के बाद उन्होंने एनएचएआई के पीडी अमित और एसडीओ आशीष शर्मा से बात की।

बातचीत होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने बताया कि यहां पर हमने

सर्विस लेन दे दी है और यू टर्न दे दिया है। डॉ मंजु चौधरी का कहना है कि इतने हैवी ट्रैफिक के बीच में से ट्रैक्टर ट्राली यू टर्न लेकर के इस हाइवे को क्रॉस कर पाएंगे? दूसरी बात यह है क्योंकि गांव के हेमराज कॉलोनी के कुछ लोगों की जमीन सड़क के दूसरी तरफ भी है, किसान मजदूर उनके पशुओं के लिए चारा लेने के लिए इधर से उधर की तरफ जाते हैं।

उनकी भैंसा बुग्गी क्या हाईवे में न्यूटन लेकर के निकल पाएंगे ये सभी विचार एनएचएआई के अधिकारियों ने डीपीआर बनाने से पहले क्यों नहीं किया। जब डॉ मंजु चौधरी ने पीडी एनएचएआई से यह बात पूछी तो उन्होंने जवाब बताया कि हमें मंत्रालय से सिर्फ सर्विस लेन की परमिशन मिली है। जब अधिकारियों को सिर्फ सर्विस लेन की परमिशन मिली है तो ये भोले भाले मजदूर किसान इतने दिनों से वहां धरने पर बैठे हैं ।उनकी पीड़ा को शासन प्रशासन क्यों नहीं सुन पा रहा है। डॉ मंजु चौधरी ने डीएम जसजीत कौर से मिलकर के निवेदन किया कि आप अपने श्तर से संपर्क कर इनको हर हाल में अंडर पास दिलवाऐं।अन्यथा हम एक बड़ा आंदोलन करेंगे और अपने बंगाली भाइयों को हर हाल में अंडर पास दिलवा करके रहेंगे। धर्म में विष्णुपद, प्रदीप, राजेश, गोविंद, मंटू, विश्वनाथ, प्रीत विश्वास उर्फ बिट्टू, सहित अन्य ग्राम वासी उपस्थित रहे।

अराजक तत्वों ने मंदिर की मूर्तियों को किया क्षतिग्रस्त

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के मंजूरगढ़ी के खेतों में स्थित देवस्थल पर रखी मूर्तियों को किसी अराजक तत्व के द्वारा क्षतिग्रश्त कर दिया गया एवं दानपात्र चोरी कर लिया गया।

इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल मामले में संज्ञान लेने के बाद तीन टीमें गठित करते हुए एफआईआर दर्ज की है। मौके से हिंदू रक्षक दल के कार्यकर्ता दिनेश लोधी ने पुलिस प्रशासन से 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग की है अन्यथा की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी है। सीओ तृतीय सर्वम सिहं ने बताया कि मंजूरगढ़ी क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई कि गाँव के बाहर खेतों में स्थित देवस्थल को किसी अराजक तत्व द्वारा क्षतिग्रश्त कर दिया गया है एवं दानपात्र चोरी कर लिया है, इस सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया, प्रकरण में अभियोग पंजीकृत कर तीन टीमें गठित की गई हैं, शीघ्र ही घटना का सफल अनावरण किया जायेगा।

सफ़ेद दूध का काला कारोबार, दूध में मिला रहे जहर, सप्लाई एण्ड फूड विभाग मौन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में सफेद दूध का काला कारोबार चल रहा है। दूध में जहर मिला रहे हैं। नकली दूध का कारोबार करने वाले लोग अब दूध के टैंकर को भी मिलावटी बनाने में लग गए हैं।

जिले के थाना क्वार्सी के एफएम टावर, थाना अकराबाद, थाना गभाना टोल के पास के अलावा कई थाना क्षेत्रों में यह गोरखधंधा चल रहा है। धंधेबाज लोग टैंकर से दूध निकालकर उसमें पानी डाल रहे हैं और फिर उसमें नकली दूध भी मिला रहे हैं और जानलेवा खेल खेल रहे हैं। धंधा कोई और नहीं कर रहा बल्कि नकली दूध के कारोबार कर रहे हैं लोग ही इसमें जुड़े हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बात का पता ना सिर्फ पुलिस को है बल्कि दूध का भरा टैंकर चलाने वाले ड्राइवर भी बखूबी जानते हैं। असली दूध को निकालकर उसमें नकली व केमिकल वाला दूध व पानी मिलकर धंधेबाज चांदी काट रहे हैं।

लोगों को जहर पिलाने के साथ-साथ लाखों कमा रहे है। जानकारी के अनुसार इस खेल में कुछ दबंग और दूध माफिया लग गए है. जिसके कारण आम जनता को नकली मिलावटी दूध पीने को मिल रहा है। टैंकर से सीधे मिल रहे इस दूध को लोग नामी ग्रामी कम्पनी का दूध मानकर पी रहे हैं।

जानकारी के अनुसार कुछ टैंकर चालक को मिलाकर यह धंधा काफी समय से चल रहा है। मगर आपूर्ति विभाग और सप्लाई एण्ड फूड विभाग सब कुछ जानकर भी अंजान है। थाना मडराक क्षेत्र में एक बंद पड़े गोदाम में दूध के टैंकर से दूध निकाला जाता है और बंद गोदाम में इम में असली-नकली दूध रखा जाता है। टैंकर से सीधे पाईप के सहारे दूध निकाला जाता है और वही से मिलावटी दूध व पानी टैंकर में पाईप के जरिये भर दिया जाता है। दूध का गोरखधंधा रोज नियमित चलता है पर धंधेबाजों के दर से कोई विरोध नहीं करता।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दूध के टैंकर से दूध निकालकर उसकी जगह पानी मिला दिया जाता है और जरूरत के हिसाब से नकली दूध बनाकर टैंकर में मिला दिया जाता है ताकि टैंकर से दूध लेने वाले डॉलरों को सही मात्रा में दूध पहुंच जाए और नामी कम्पनियों को इसकी भनक न लगे।

यह गोरखधंधा काफी दिनों से चल रहा है और पुलिस और नामी कम्पनियां इसे रोकने में नाकाम है। नकली दूध के धंधेबाज कारोबारी अपना रोज लाखों के बारे-न्यारे कर रहे हैं और जनता को दूध के बदले अनजाने में जहर पिलवा रहे हैं। सदर्दी आते ही बढ़ जाता है नकली दूध का कारोबार, दूधिया ऐसे बनाते हैं जहरीला दूध सर्दी का मौसम आते ही जिले में मिलावटी दूध का डेयरियों पर कारोबार बढ़ जाता है।

जहां दूधिया और डेयरी संचालक जमकर कमाई करते हैं, वहीं इससे लोगों के स्वास्थ्य को भारी नुकसान होता है। लोगों की ओर से कई बार इस संबंध में मांग उठाने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सर्दियों का मौसम आते ही डेयरी व ग्रामीण दूधियों को चांदी हो जाती है। नकली दूध का कारोवार एकाएक बड़ जाता है। मिलावटी दूध की सारी खपत किसी न किसी रूप में शहरों में होती है। शहर के लोग जहरीला दूध खरीद रहे हैं।

कैसे होती है दूध में मिलावट

एक लीटर दूध में पहले कपड़े धोने को ईजी बड़े बर्तन में मिलाई जाती है। उसके बाद एक लीटर रिफाइंड मिलाया जाता है। लगभग आधे घंटे तीनों को मिलाकर 10 लीटर पानी मिला कर 12 किलो दूध तैयार किया जाता है। इसके बाद इसमें यूरिया खाद, गीली ग्लूकोस या फिर पनीर का गंदा पानी मिलाया जाता है। दूधिया 10 लीटर से 100-100 लीटर तक दूध बनाकर डेयरियों पर बेच रहे हैं।

मिलावटी दूध का नुकसान

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ऐसे दूध के प्रयोग से कैंसर, दमा, लकवा, हार्ट अटैक, एनीमिया जैसी जानलेवा बीमारी होती है।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सवार होने के लिए रही मारामारी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ थी कि ट्रेन में सवार होने के लिए मारामारी करनी पड़ी। ट्रेन पकड़ने की होड़ में यात्रियों के बीच धक्का मुक्की तक की नौबत आ गई। सभी ट्रेन यात्रियों से खचाखच भरी रही।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर भाई दूज त्यौहार अपने घर परिवार के साथ मनाने की चाह में गुरुवार सुबह से ही गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ आनी शुरू हो गई थी।

मुरादाबाद, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे अन्य स्थानों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक थी।

ये सभी लोग अपनी अपनी बहनों के पास भाई दूज के लिए जाने के लिए पहुंचे थे। स्टेशन पर जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर ठहरती लोग इसमें सवार होने के लिए दौड़ते नजर आए। यात्री जल्दी से जल्दी अपनी सीट तक पहुंचाना चाहते थे। लेकिन ट्रेन के गेट पर भीड़ इतनी अधिक थी कि सवार होने के लिए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस, कलिंगा उत्कल, आला हजरत एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन पटना स्पेशल, गाजियाबाद-पलवल ईएमयू,आदि कई ट्रेन यात्रियों से खचाखच भरी नजर आई। वहीं कई पैसेंजर ट्रेन में भी पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

ट्रेन के गेट पर भीड़ जमा हो जाने के चलते कई यात्री आपातकालीन खिड़की से ट्रेन में घुसते नजर आए। ट्रेन के गेट पर भीड़ लगते ही रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने स्थिति को

संभालते हुए गेट को खाली कराया और यात्रियों को इसमें सवार कराने में मदद की।

भाई-बहन के त्यौहार भाई दूज पर घर जाने के लिए कई यात्री ऐसे भी थे जिनके पास जनरल टिकट था। इन यात्रियों का कहना था की टिकट मिलना नामुमकिन हो गया है। ज्यादातर सभी ट्रेन फूल है और वेटिंग लिस्ट भी बहुत है। जिसके कारण जनरल टिकट लेकर त्योहार पर घर जा रहे हैं।

भारी भीड़ होने के चलते प्लेटफॉर्म पर रेलवे सुरक्षा बल के जवान नियमित लोगों को रस्सी से पीछे रहने को कह रहे थे एवं लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को ट्रेन से संबंधित सभी जानकारी दे रहे थे। रेलवे सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर चेतन प्रकाश ने बताया कि त्योहार को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल सतर्क है। स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म पर जवान नियमित तैनात है और ट्रेन आने पर लोगों को सुरक्षित ट्रेन में चढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

इसके अलावा ट्रेन के अंदर भी महिला एवं पुरुष जवान नियमित निगरानी रख रहे हैं। छठ पूजा को लेकर भी स्टेशन पर रहा यात्रियों का दबाव आगामी छठ पूजा को लेकर भी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दबाव अधिक रहा। गाजियाबाद में काम करने वाले बिहार, पूर्वांचल के कई लोग स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंचे थे।

बिहार पूर्वांचल की ओर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेन के अलावा पूजा स्पेशल ट्रेन भी यात्रियों से फुल नजर आई। लोगों को ट्रेन में चढ़ने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। सबसे ज्यादा दिक्कत उन लोगों को हुई जिनके पास सामान ज्यादा था और उनके साथ छोटे बच्चे भी थे। ये लोग ट्रेन पकड़ने के लिए निर्धारित समय से एक से दो घंटे पहले ही स्टेशन आ गए थे।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड, एजेंसी : भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं।

हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया। रोहित ने अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया।

आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

विराट कोहली ने एडिलेड में दिए संन्यास के संकेत, शून्य पर आउट होने के बाद किया ऐसा, फैंस मायूस

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान का शेर, जिसने सालों तक इस खेल पर राज किया. वो विराट कोहली अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसा हम नहीं बल्कि क्रिकेट का हर दिग्गज बोल रहा है। हालांकि विराट की फिटनेस शानदार है, लेकिन माना जा रहा है कि वह वनडे से भी जल्द रिटायरमेंट ले लेंगे। कोहली पर्थ में शून्य पर आउट हुए थे, एडिलेड में भी वही हुआ. कोहली खाता नहीं खोल पाए, लेकिन यहां ग्राउंड से पवेलियन लौटते हुए उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है। विराट कोहली 7वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब कप्तान शुभमन गिल के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा था. कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी क्योंकि इस मैदान पर वह इससे पहले खेली 4 पारियों में 2 बार शतक जड़ चुके थे. लेकिन आज वह खाता भी नहीं खोल पाए, जेवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में गिल और कोहली को आउट किया.

विराट कोहली ने किया गुड बाय!

जब विराट कोहली एडिलेड में शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तब फैंस खड़े हो गए तो विराट कोहली ने हाथ उठाकर गुड बाय जैसा इशारा किया.

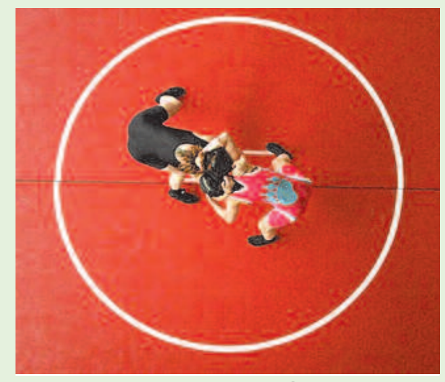

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। विश्वजीत ने कजाकिस्तान के येरासिल ममायरबेकोव को 5-4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

तीन महिला पहलवानों को मिली हार

भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने-अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4-6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3-9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया।

महिला वनडे विश्व कपः

एश्ले गार्डनर ने महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया

इंदौर, एजेंसी। बुधवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का 23वां मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने 104 रन की नाबाद यादगार पारी खेली। गार्डनर का ये शतक महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एश्ले गार्डनर ने 69 गेंद पर शतक लगाया। महिला वनडे विश्व कप इतिहास का ये सबसे तेज शतक है।

इससे पहले का रिकॉर्ड डेंड्रा डॉटिन के नाम था। डॉटिन ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद पर शतक लगाया था। इसी विश्व कप में एलिसा हिली ने बांग्लादेश के खिलाफ 73 और एश्ले गार्डनर ने 77 गेंद पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। इंग्लैंड की मौजूदा कप्तान नेट सेवियर ब्रंट ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 76 गेंद पर शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 73 गेंद पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। गार्डनर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई थीं। छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है।

गार्डनर ने छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 3 शतक लगाए हैं। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंद पर 1 छक्का और 10 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली थी। एलिस कैप्से ने 38 और चार्लोट डीन ने 26 रन बनाए थे।

245 के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 68 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन एश्ले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने इसके बाद टीम को कोई क्षति नहीं होने दी और 180 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने 40.3 ओवर में 4 विकेट पर 248 रन बनाए। विजयी चौका गार्डनर के बल्ले से निकला। सदरलैंड शतक नहीं बना सकीं और 98 रन पर नाबाद लौटीं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो विकेट से हराकर सीरीज में बनाई अजेय बढ़त, कोनोली का पचासा

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे वनडे मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर

मैच जीता। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 54 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को संभाला और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान मैट रेनशॉ ने उनका साथ बखूबी निभाया। भारत रेनशॉ और एलेक्स कैरी के विकेट निकाले जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बढ़ा। फिर हर्षित राणा ने शॉर्ट को भी पवेलियन भेज दिया।

हालांकि, कोनोली टिके रहे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। भारत को अंत में कुछ विकेट मिले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य के इतने करीब पहुंच गया था कि यहां से भारत का जीतना मुश्किल था। ऑस्ट्रेलिया की ओर से शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए, जबकि कोनोली 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

पंजाब किंग्स ने साईराज बहुतुले को नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

चंडीगढ़, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है। बहुतुले, सुनील जोशी की जगह लेंगे, जिन्होंने 2023 से 2025 तक पीबीकेएस में यह पद संभाला था। अब वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में शामिल होंगे।नई जिम्मेदारी मिलने पर बहुतुले ने खुशी जताते हुए कहा, मैं आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में शामिल होने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने वाली टीम है। मैं इसमें अपार संभावनाएं देख रहा हूं। इस टीम के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

मैं उनके साथ मिलकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।÷ भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे खेलने वाले बहुतुले, पंजाब की टीम में अपार अनुभव लेकर आए हैं।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

● **नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित**

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे।

यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से, त्रिकोणीय सीरीज 17 नवंबर से पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाएगी। ये मैच रावलपिंडी और लाहौर में होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 4 से 8 नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में खेली जाएगी। फिर 11 से 15 नवंबर

तक श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज होगी, जबकि त्रिकोणीय टी-20 सीरीज 17 से 29 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। फखर जमान और सुफियान मुकीम हुए बाहर अनुभवी ओपनर फखर जमान और रिस्ट स्पिनर सुफियान मुकीम को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान को शामिल किया गया है, जबकि मुहम्मद हारिस को टीम से बाहर कर दिया गया है। अनकैप्ड खिलाड़ी उस्मान तारिक को भी टीम में जगह टी-20 टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी (नया चेहरा) मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक को चुना गया है। वनडे टीम में फैसल अकरम, हरिस रऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी हुई है।

फ्रेंच ओपन 2025:

इंडोनेशिया की जोड़ी से हारने के बाद सात्विक-चिराग फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ हार के बाद बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ राउंड ऑफ 32 पुरुष युगल मैच में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने यह मुकाबला 18-21, 20-22 से गंवाया।

उन्नति हुड्डा जीतीं

उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन आयुष शेट्टी पुरुष एकल में जापान के कोकी वातानबे से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए। उन्नति ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में मलेशिया की लेत्शाना करुपथेवन को 11-21, 21-13, 21-16 से हराया लेकिन इससे पहले आयुष को जापान के अनुभवी खिलाड़ी वातानबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 19-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के पहले दौर में चीन की हान यू के खिलाफ 15-21, 11-21 से हार गईं जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

चैंपियंस लीग - रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की जीत

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1-0 से हराकर चैंपियंस लीग अभियान में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। इस टीम ने तीन मुकाबलों में नौ अंक हासिल कर लिए हैं।मुकाबले के पहले हाफ में मैड्रिड ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। मैड्रिड को सबसे शानदार मौका हाफ-टाइम के दौरान मिला। किलियन एम्बाप्पे ने ब्राहिम के प्रभावशाली पास को अपने पास लिया और बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक शक्तिशाली ड्राइव लगाई, लेकिन डि ग्रेगोरियो के शानदार रिएक्शन स्टॉप ने 40वें मिनट में फ्रांसीसी खिलाड़ी को गोल करने से रोक दिया। ब्रेक के बाद गतिरोध तोड़ते हुए जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को 1-0 से बढ़त दिला दी। एक अन्य मैच में लिवरपूल ने पहले हाफ के 10 मिनट में तीन गोल दागकर फ्रैंकफर्ट पर 5-1 से जीत दर्ज की। रेड्स ने ड्यूश बैंक पार्क में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा और इस सीजन के लीग चरण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। रासमस क्रिस्टेंसन ने 26वें मिनट में मुकाबले का पहला गोल दागा, जिसके बाद ह्यूगो एकिटिके ने शानदार गोल के साथ स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39) और इब्राहिमा कोनाटे (44) ने पहले हाफ में कॉर्नर से गोल करके मैच का रुख पलट दिया। लिवरपूल इस मैच में 3-1 से आगे थी। दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70) के गोलों ने आर्ने स्लॉट की टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, चेल्सी ने अजाक्स को 5-1 से शिकस्त दी। 18वें मिनट मार्क गुइयू ने गोल दागकर मैच का खाता खोला।

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी की तारीख आई सामने, नम्बर में दिल्ली में इस दिन होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी नई दिल्ली में होगी। फ्रेंचाइजियों को अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में अनौपचारिक रूप से बता दिया गया है। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन अब इसकी समय सीमा 26-27 नवंबर कर दी गई है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। सैद्धांतिक रूप से एक बड़ा आयोजन होने के बावजूद नीलामी एक ही दिन में पूरी होने की उम्मीद है। डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है।

फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी 5 खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपए, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपए, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपए, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपए और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपए

का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपए है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। डब्ल्यूपीएल ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि सुझाए गए मूल्य से भिन्न हो सकती है। डब्ल्यूपीएल ने हाल ही में फ्रेंचाइजियों को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से भिन्न हो सकती है, लेकिन रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपए है और प्रत्येक टीम अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा एक फ्रेंचाइजी अधिकतम तीन कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिकतम दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच का इस्तेमाल कर सकती है।